



एसपी रोड हब्बा सफलता पूर्वक जारी

हब्बा की ख्याति पूरे कर्नाटक में बहुत जोर-शोर से फैलती जा रही: ललित डाकलिया



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित एस पी रोड हब्बा 2025 सफलता पूर्वक जारी है। हब्बा संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि इस हब्बा की ख्याति पूरे कर्नाटक में बहुत जोर-शोर से फैलती जा रही है। एसोसिएशन द्वारा सभी सदस्यों को अपना व्यवसाय बढ़ाने हेतु और अपने ग्राहकों को लकी ड्रा जीतकर दशहरा दीपावली का एक उपहार प्रदान करने का एक

बड़ा अवसर प्रदान किया है। दशहरा दीपावली के अवसर पर उन्हें उपहार जीतने का अवसर प्रदान करके अपने ग्राहकों का मन जीतने का अवसर बिल्कुल ना गंवाने का निवेदन समस्त सदस्यों से किया गया। एस पी रोड हब्बा के मुख्य प्रायोजक सैनडिस्क कम्पनी के साथ सह प्रायोजक कैनन और जेबरा कम्पनियां हैं और इसके साथ ही एस पी रोड के बारह सौ से अधिक प्रतिष्ठान इस हब्बा में बहुत ही उत्साह पूर्वक

भाग ले रहे हैं। हब्बा सह संयोजक उदेश राजपुरोहित, अमित बोराणा, विशाल बोहरा, नरेश जैन ने जानकारी देते बताया कि शनिवार को एक सौ चार लकी गिफ्ट्स प्रदान करके बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन ने एक कीर्तिमान बनाया है, जो कि एस पी रोड में पहले कभी नहीं हुआ। इन गिफ्ट्स में एक टू व्हीलर गाड़ी, लैपटॉप, होम थिएटर, पार्टी स्पीकर के साथ वायरलेस स्पीकर माईक, स्मार्ट वाच, ईयर बड्स

आदि वस्तुएं ड्रा जीतने वाले सदस्यों को प्रदान की गईं। एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल वरन्दांनी, महामंत्री अरुण लुणावत ने सभी सदस्यों से निवेदन किया कि प्रत्येक ग्राहक जो यहां खरीदारी करता है अथवा होलसेल ग्राहक हैं उनको यह लकी गिफ्ट कूपन जरूर प्रदान करके जीतने का अवसर प्रदान करें। शनिवार को हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में और गिफ्ट्स प्रदान करने के अवसर पर दीप प्रज्वलन सम्मानित अतिथि

पद्मश्री पुरस्कार विजेता भारतीय पैरा एथलीट के वाई वैक्कटेश, पूर्व पार्श्व और स्वामित्व ग्रुप के चेयरमैन बाबूभाई मेहता, बालकृष्णा, देवकुमार, प्रकाश जमीन के साथ एसोसिएशन अध्यक्ष विशाल वरन्दांनी, उपाध्यक्ष और हब्बा संयोजक ललित डाकलिया, किशोर राजप-रोहित, मदनलाल धोका, महामंत्री अरुण लुणावत, सहमंत्री दिनेश चारण, सह कोषाध्यक्ष कैलाश बोहरा, संगठन मंत्री आलोक गंग

ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में कर्नाटक की समृद्ध संस्कृति को दर्शाते हुए यक्षगान से अतिथियों का स्वागत अभिनन्दन किया तथा शाल माला और स्मृति चिन्ह से उनका बहुमान एसोसिएशन की ओर से किया गया। कार्यक्रम में उदय कुमार की ओर से मैजिक शो और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनो का मन मोहा। हब्बा में एसोसिएशन की पूरी कार्यकारिणी सदस्यों का सक्रिय सहयोग प्राप्त हो रहा है।

सोचता है और कुकर्म कर लेता है। लोभ और काम में व्यक्ति अंधा हो जाता है। संतोषी व्यक्ति को हमेशा अनुकूल वातावरण मिल जाता है। लोभी मायावी होते हैं और गलत मित्रों में फंस जाते हैं। गलत मित्र हमेशा गलत राय देते हैं और अच्छे व्यक्ति को भी डूबा देते हैं। किंतु सत्य हमेशा जीतता है और सूर्य को उगने से कोई रोक नहीं सकता है। सिंधनूर निवासी गौतमचंद बंब एवं महावीर संचेती ने अपने विचार रखे। अकलकुआं निवासी मुमुक्षु कुशल गुलेछा का साफा शॉल माला से अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने स्वागत किया। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि मंगलवार और बुधवार को महिला शिविर का आयोजन रहेगा। साध्वी श्री शशिप्रभा जी मंगल पाठ सुनाया।

एकदिवसीय गुरु दर्शन यात्रा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेपीपी जैन युवा फाउंडेशन, बेंगलूरु के तत्वावधान में जयगच्छीय आचार्य 1008 श्री पार्श्वचंद्रजी एवं डॉ. श्री पदमचंद्रजी, जो सिंधनूर में विराजमान हैं, के सेवा एवं दर्शन हेतु एकदिवसीय यात्रा श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस यात्रा के लाभार्थी आनंद सठिया रहे। इस अवसर पर आचार्य श्री पार्श्वचंद्रजी ने अपनी मंगल वाणी में कहा कि संयम, साधना और सेवा का समन्वय ही युवाओं के जीवन की सच्ची सफलता का मार्ग है। उन्होंने युवाओं को धर्म, अनुशासन और सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संदेश दिया। डॉ. श्री पदमचंद्रजी ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा



कि, युवाओं को अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करना चाहिए और असफलता से निराश नहीं होना चाहिए। प्रत्येक हार एक सीख देती है और वही सीख सफलता के मार्ग को और अधिक स्पष्ट व सरल बना देती है। इस यात्रा के समापन अवसर पर जेप-

पी जैन युवा फाउंडेशन के अध्यक्ष चेतन कोठारी ने सभी लाभार्थियों, साधु-साध्वी भगवंतों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह यात्रा न केवल एक धार्मिक अनुभव रही, बल्कि आत्मिक प्रेरणा और सामूहिक एकता का भी सुंदर उदाहरण बनी।

धर्म नहीं करने वाले कर्मों से घिरे रहते हैं: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि नवपद की आराधना के मंगल पर्व का आठवां दिवस है जिसमें चारित्र की महिमा गाई जाती है। चारित्र को जानने और मानने से कुछ नहीं होता है। इसको आत्मसात करने के बाद ही मुक्ति मिल सकती है। लोक में धर्म के बिना कुछ नहीं मिलता है। ज्ञान, धर्म को चारित्र में उतराना जरूरी है। मनुष्य ही धर्म कर सकता है। धर्म को सुन कर अगर आत्मसात नहीं किया तो जीवन नहीं सुधरेगा। अगर मानव भव पाकर भी धर्म नहीं करते हैं तो मानव और जानवर में कोई अंतर नहीं होता है। बिना धर्म के जीवन शून्य है। धर्म को आचरण



में लाना बहुत जरूरी है। धर्म नहीं करने वाले कर्मों से घिरे रहते हैं। मनुष्य कर्मों से घिरा हुआ है। जब तक उसका अज्ञान नहीं मिटेगा तब तक कर्मों से दूर होना संभव नहीं है। मनुष्य मेहनत करता है लेकिन कर्मों की वजह से उचित फल नहीं मिलता है। याद रखो

लगन से करोगे तो उसका फल भी अच्छा ही मिलेगा। मनुष्य धर्म कार्य में लगता है तो उसका मन भटकने लगता है। कर्मों की वजह से वह तप जप भी नहीं कर पाता है। सामायिक करने पर लोग कमर दर्द का बहाना बनाते लगते हैं। लेकिन याद रहे जब तक चारित्र

को आचरण में नहीं लाओगे जीवन नर्कों से नहीं निकलेगा। अच्छे नियत के साथ मेहनत करने वाले को जरूर मिलता है। खोजने वाले को जरूर मिलता है। श्रावक का चरित्र देश चरित्र है, जो पूर्ण नहीं है। जीवन में सामायिक, तप, त्याग, भजन करते रहो। यह कर्म बहुत जरूरी होता है। जीवन में कहना पर्याप्त नहीं है। लोग धर्म ध्यान के बारे में बार बार बोलते हैं। लेकिन करने की बारी आने पर बहाना बनाते लगते हैं। बाते बनाने वाले दुनिया भर की बात कर लेते हैं। लेकिन धर्म के कार्य में बहाना बनाते रहते हैं। गुरुदेव ने फरमाया कि दिन भर नहीं तो कम से कम एक घंटा भगवान के लिए रहो। अगर हम खा रहे हैं मस्त हैं तो यह सब भगवान की ही कृपा है। इसलिए भगवान के लिए कुछ

समय जरूर निकालना चाहिए। ऐसा करके मानव अपने जीवन को बदल सकता है। गुणवान भले चले जाते हैं। लेकिन उनकी महिमा कभी नहीं जाती है। जीवन में शरीर गया तो कुछ जाता है। लेकिन चरित्र गया तो सब चला जाता है। इसलिए अच्छा कर्म करके चरित्रवान बने। सिंधनूर से गौतमचंद बम्ब सपरिवार, चेन्नई के अर्णकोणम से अध्यक्ष जय चंद कटारिया, उपाध्यक्ष मनमल मुथा, ज्ञानचंद गेलडा, जैन कॉन्फ्रेंस के पूर्व महामंत्री विमलचंद धारीवाल, जबरी लाल कटारिया एवं अन्य उपस्थित थे। उन्होंने 2026 के आगामी चातुर्मास की विनंती रखी। कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने आभार व्यक्त किया एवं अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने संचालन किया।

हुब्बल्ली में रेलवे सुविधाओं को लेकर हुई महत्वपूर्ण बैठक

केंद्रीय राज्य मंत्री
सोमन्ना को सौंपा ज्ञापन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। हाल ही में हुब्बल्ली आगमन के अवसर पर, हुब्बल्ली-धारवाड़ संट्रल क्षेत्र के विधायक महेश तेंगिनाकाई, दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति (जेडआरयूसीसी) के सदस्य एवं श्री सिद्धारुद्धा स्वामी मठ ट्रस्ट समिति के पूर्व चेयरमैन महेंद्र सिंघी और व्यवसायी एवं



समाजसेवी वी.एस.वी. प्रसाद ने एक प्रतिनिधिमंडल के साथ केन्द्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य

मंत्री वी. सोमन्ना से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को हुब्बल्ली क्षेत्र की प्रमुख रेलवे

समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें विभिन्न मांगें रखी गईं। हुब्बल्ली-जोगपुर विशेष ट्रेन संख्या 07359, 07360 के संचालन में वृद्धि की मांग तथा इस ट्रेन में स्लीपर कोच जोड़े जाने का सुझाव दिया गया, ताकि आम यात्रियों को और अधिक सुविधा मिल सके।

साथ ही दिव्यांग यात्रियों के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग की सुविधा शीघ्र शुरू किए जाने का अनुरोध किया जिस पर मंत्री

सोमन्ना ने इन सभी मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए संबंधित रेलवे अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश देने की जानकारी दी। उन्होंने पत्राचार के माध्यम से आश्वस्त किया कि इन विषयों पर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर पूर्व जेडआरयूसीसी सदस्य गौतम गोलेच्छा, प्रवासी यात्री संघ के राज्य कार्यदर्शी सुभाष डंक तथा अन्य गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आणो है भजन संध्या आयोजित



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्याम परिवार कीर्तन मंडल एवं माँ जीण के दीवाने के तत्वावधान में रविवार को सायं 4 बजे से श्याम मन्दिर प्रांगण में भजनों का कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर आयोजक परिवार शुभम शालू कंदोई परिवार ने दरबार में पूजन किया। तत्पश्चात हिसार हरियाणा से आये नन्हे गायक अभिनव आर्यन ने गणेश वंदना से भजनों की गंगा में गोता लगाते हुए कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आणो है कि मधुर प्रस्तुति दी। महीने का पहला रविवार होने और दर्शन के लिए भक्तों का ताता लगा रहा। देर रात तक भक्तों ने भजनों का आनन्द लिया। इस मौके पर श्याम कीर्तन परिवार के देवीलाल गोयल, मुकेश ज़िंदल सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

मोह, कषाय से ग्रसित मानव में धर्म के प्रति सच्ची श्रद्धा नहीं: साध्वी

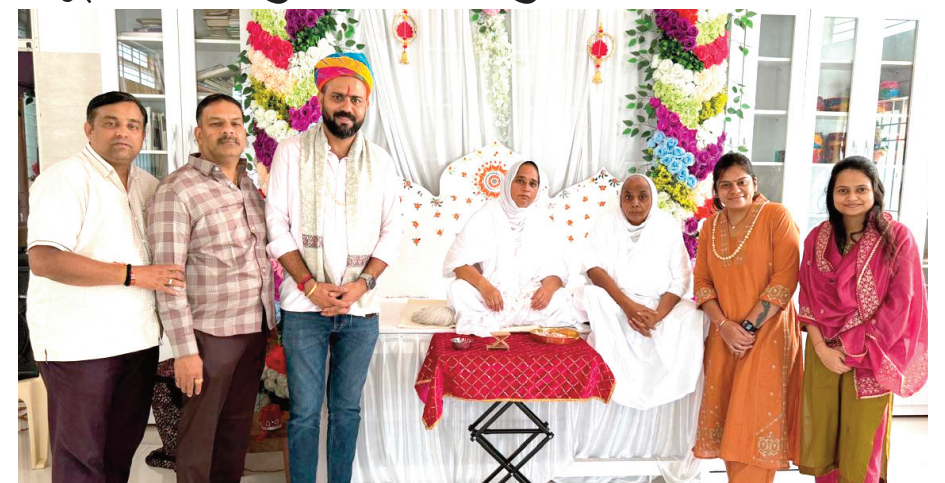
बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरि जैन दादाबाड़ी ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी जी हर्षपूर्णा श्री जी ने नवपद ओली आराधना के आठवें चारित्र दिवस पर श्रीपाल चारित्र के वांचन के दौरान श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए फरमाया कि धर्म पर, नवपद पर पूर्ण श्रद्धा आस्था रखने से उस धर्म के प्रति श्रद्धा का ही यह फल था कि मंत्र सिद्ध कर आवाहन करते ही साक्षात् देवी देवता श्रीपाल के समक्ष सेवा में प्रकट हो जाते थे। इस कलयुग पंचम आरे में संसार में मोह आसक्ति कषाय से ग्रसित मानव में धर्म के प्रति सच्ची श्रद्धा, आस्था के भाव



का अभाव है। अरिहन्त, सिद्ध, साधु और केवली प्रकृति दयामय धर्म पर ही शरण ग्रहण करने पर और उस पर दृढ़ सच्ची आस्था रखने से साधक के कार्य में सफलता मिलती है और सभी प्रकार की उनकी मनोवांछित सिद्धि फल की प्राप्ति होती है।

श्रीपाल ने सत्य, शील, तप, दान, क्षमादि दस धर्मों की आराधना करते हुए अपनी प्रबल पुण्यवानी, आयम्बिल तप साधना और नवपद नवकार महामंत्र पर दृढ़ आस्था रखने से ही देव सहायक रूप बनते थे। जहां-जहां भी वे गये वहां राज्यादि सम्मान आदर को प्राप्त किया। वास्तव में यह सब नवकार महामंत्र धर्म और तप साधना का ही महा प्रभाव चमत्कार है। गच्छाधिपति आचार्य भगवन्त श्री जिन मणिप्रभ सूरिधर जी के सूरि मंत्र की आराधना के दौरान महालक्ष्मी पीठिका के निर्विघ्न समापन हेतु प्रवचन के पश्चात नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप रखा गया।

हिन्दू धर्म और जैन धर्म दोनों ही भारत भूमि में अंकुरित और पुष्पित धर्म: साध्वी



दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्पोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि जैन धर्म में शरद पूर्णिमा को प्राकृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। शरद पूर्णिमा की रात को साल भर की सबसे उजली और शुभ मानी जाने वाली रात होती है। कहते हैं, इस रात चंद्रमा 16 कलाओं से युक्त होकर अमृत की वर्षा करता है। इसी रात मां लक्ष्मी पृथ्वी पर आती हैं और अपने भक्तों के घर-घर में झांकती हैं। जो भी व्यक्ति इस रात जागरण करता है, सच्चे मन से मां लक्ष्मी की पूजा करता है और अपने घर को प्रकाश से भर देता है, वहां कभी धन, सुख

और समृद्धि की कमी नहीं होती। इसलिए शरद पूर्णिमा को कोजा-गरी पूर्णिमा भी कहा जाता है क्योंकि कोजागरी का अर्थ है कौन जाग रहा है? साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि हिन्दू धर्म और जैन धर्म दोनों ही भारत भूमि में अंकुरित, पल्लवित और पुष्पित धर्म हैं। भारत में धार्मिक, आध्यात्मिक चिन्तन की दो धाराएं हैं, ब्राह्मण और श्रमण। ब्राह्मण चिन्तन धारा का विकास हिन्दू धर्म के रूप में हुआ और श्रमण धारा का विकास जैन धर्म के रूप में हुआ। इन दोनों धाराओं के बीच में सदैव संवाद होता रहा है। इसलिए दोनों धाराओं के ऋषियों, मुनियों ने एक दूसरे से गृहण भी किया है। दोनों ने एक दूसरे को प्रभावित भी किया है।

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव हिन्दू धर्म में आठवें अवतार माने जाते हैं। बाईसवें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ भगवान कृष्ण के चचेरे भाई थे। जैन धर्म में राम और कृष्ण को श्रेष्ठ शलाका पुरुष का सम्मान दिया जाता है। दोनों धर्मों का लक्ष्य समस्त जीव सहित मानव का कल्याण और मुक्ति है। अतः हिन्दू धर्म और जैन धर्म दोनों सहोदर भाइयों के सामान हैं। राजेन्द्र पोरवाल ने बताया कि नेल्लोर से विपुल पोपटलाल पोरवाल, दीपिका पोरवाल, बेंगलूरु से सुनील कुंकुलोल, पारस भसाली का बहुमान किया गया। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

समाज बंधुओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ नेता सुभाष चंद्रा डंक ने बताया कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रवासी राजस्थानी, गुजराती तथा उत्तर भारतीय समाज के अनेक बंधुओं ने बड़े उत्साह से सहभागिता की। संघ के शताब्दी महोत्सव के अवसर पर स्वयंसेवकों द्वारा व्यापक जनसंपर्क किया गया, जिसके परिणामस्वरूप इस वर्ष अनेक नए स्वयंसेवक भी पथ संचलन से जुड़े। डंक ने इस भव्य आयोजन में भाग लेने वाले सभी स्वयंसेवकों और समाज बंधुओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया।





देवेगौड़ा द्वारा मांग बढ़ाने के बाद शिराडी सुरंग परियोजना फिर सुर्खियों में

मैंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु और मैंगलूरु के बीच एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग, शिराडी घाट पर 3.63 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाने का लंबे समय से लंबित प्रस्ताव, पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा द्वारा परियोजना के लिए नए सिरे से समर्थन व्यक्त करने के बाद फिर से गति पकड़ रहा है, जिससे इसके पुनरुद्धार की उम्मीदें फिर से जगी हैं। दशकों पहले प्रस्तावित यह महत्वाकांक्षी सुरंग परियोजना, पर्यावरणीय चिंताओं और वित्तपोषण की अनिश्चितता के कारण रुकी रही। हालाँकि, देवेगौड़ा द्वारा इस पहल में गहरी रुचि व्यक्त करने के हालिया बयान ने जनता और राजनीतिक ध्यान फिर से आकर्षित किया है। इससे पहले, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीप-



1आर) तैयार की गई थी, जिसे केंद्र से सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई थी।

मूल ब्लूप्रिंट में 12.60 किलोमीटर लंबी छह सुरंगें, 1.5 किलोमीटर लंबे दस पुल और आपात स्थिति के दौरान दो-तरफा यातायात प्रवाह और सुरक्षा

सुनिश्चित करने के लिए 8.58 मीटर चौड़ी एक आपातकालीन लेन की परिकल्पना की गई थी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पहले संकेत दिया था कि यदि एक व्यापक डीपीआर को अंतिम रूप दिया जाता है, तो परियोजना

को विशेष मंजूरी मिल जाएगी। इस आश्वासन के बावजूद, परियोजना को स्थगित कर दिया गया, जिससे शिराडी घाट का दुर्गम खंड बार-बार भूस्खलन और दुर्घटनाओं का शिकार हो गया, जिससे अक्सर यातायात बाधित होता था और यात्रियों को

असुविधा होती थी। देवेगौड़ा ने अब कहा है कि इस परियोजना से पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होगा और क्षेत्रीय विकास के लिए इसकी आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आगे आश्वासन दिया कि वे इसके कार्यान्वयन के लिए प्रधानमंत्री के साथ इस मामले पर चर्चा करेंगे। शिराडी घाट कार्यों के पिछले निरीक्षण के दौरान, कर्नाटक के मंत्री सतीश जारकीहोली ने भी आशा व्यक्त की थी और कहा था कि यदि राज्य और केंद्र सरकारें दोनों हाथ मिलाएँ तो यह परियोजना साकार हो सकती है। शिराडी सुरंग परियोजना के लिए नए सिरे से प्रयास ने यात्रियों और तटीय समुदाय के बीच उम्मीदें जगा दी हैं, जो लंबे समय से बंदरगाह शहर मैंगलूरु को राज्य की राजधानी बेंगलूरु से जोड़ने वाले एक सुरक्षित और तेज मार्ग की तलाश में थे।

200 रुपये की सीमा पर हार्डकोर्ट की रोक के बाद

सरकार ने फिल्म देखने वालों को टिकट रखने की सलाह दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य सरकार ने सिनेमा देखने वालों को सलाह दी है कि वे अपने टिकट और भुगतान का प्रमाण पत्र संभाल कर रखें। उच्च न्यायालय ने मल्टीप्लेक्स में सिनेमा टिकटों की कीमत 200 रुपये तक सीमित करने के सरकारी आदेश पर अंतिम फैसला आने तक रोक लगा दी है। सरकार ने पहले निर्देश दिया था कि अत्यधिक कीमतों को रोकने के लिए मल्टीप्लेक्स में सिनेमा टिकटों की कीमत 200 रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। हालाँकि, उच्च न्यायालय ने इस आदेश पर रोक लगा दी है और मल्टीप्लेक्स को बेचे गए प्रत्येक टिकट का विस्तृत और ऑडिट करने योग्य रिकॉर्ड रखने का निर्देश दिया है। इन रिकॉर्ड में टिकट बिक्री की तारीख और समय, खरीद का तरीका (ऑनलाइन या काउंटर पर), भुगतान का विवरण (क्रेडिट, डेबिट कार्ड, यूपीआई,

नेट बैंकिंग या नकद), एकत्र की गई राशि और जीएसटी विवरण शामिल होना चाहिए। सभी नकद लेनदेन का पता लगाने योग्य डिजिटल रसीदों द्वारा समर्थन किया जाना चाहिए, और कैश रजिस्टर पर मल्टीप्लेक्स प्रबंधक द्वारा प्रतिदिन हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। यदि उच्च न्यायालय का अंतिम फैसला सरकार के पक्ष में आता है, तो मल्टीप्लेक्स को बुकिंग के लिए उपयोग की गई भुगतान विधि के माध्यम से ग्राहकों को एकत्र की गई अतिरिक्त राशि वापस करनी होगी। इसलिए, सरकार ने सभी फिल्म देखने वालों को सलाह दी है कि वे अपने भौतिक या इलेक्ट्रॉनिक टिकट सुरक्षित रखें। मल्टीप्लेक्स मालिकों को भी निर्देश दिया गया है कि वे सभी टिकटों की बिक्री का पूरा और पारदर्शी रिकॉर्ड रखें ताकि जरूरत पड़ने पर रिफंड की सुविधा मिल सके।

अनुशासन जीवन का सबसे आवश्यक गुण : धारीवाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के तत्व-वधान में अणुव्रत उद्घोषण सप्ताह 2025 के तहत सोमवार को यहां आरआर नगर तेरापंथ सभा भवन में अनुशासन दिवस मनाया गया। आचार्यश्री महाश्रमणजी की सुशिक्षा साध्वीश्री पुण्यशहाजी के सानिध्य में ऑल इंडिया जैन माइनॉरिटी फेडरेशन कर्नाटक के अध्यक्ष एवं अणुव्रत सलाहकार समिति के सदस्य गौतमचंद धारीवाल ने इस दौरान बतौर अतिथि अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि अनुशासन जीवन का सबसे आवश्यक गुण है। यह एक ऐसी डोर है जो व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र को एकता में बाँधती है। बिना अनुशासन के जीवन अव्यवस्थित और उद्देश्यहीन हो जाता है। अनुशासन हमें सही दिशा में चलना सिखाता है। अर्थात् किसी नियम,



आदेश या व्यवस्था का पालन करना। धारीवाल ने कहा कि सरल शब्दों में, अनुशासन का अर्थ है, अपने व्यवहार, समय, और कार्यों को नियमों के अनुसार नियंत्रित रखना। वे बोले कि अनुशासित व्यक्ति अपने समय का सदुपयोग करते हैं, जिससे उन्हें हर क्षेत्र में सफलता मिलती है।

अनुशासित व्यक्ति सबका आदर करता है व बदले में सबका सम्मान पाता है। अनुशासन से व्यक्ति अपने कार्य समय पर और सही ढंग से करता है। उन्होंने बताया कि अनुशासन से मन स्थिर रहता है और आत्मविश्वास बढ़ता है। जब नागरिक अनुशासित होते हैं, तो देश में शांति और

विकास स्वतः होता है। अनुशासन हमारे जीवन की रीढ़ है। यह हमें सही और गलत का भेद समझाता है। बिना अनुशासन के व्यक्ति अपनी सीमाएँ भूल जाता है, जिससे अव्यवस्था और अशांति फैलती है। विद्यालयों, घरों, और कार्यस्थलों पर अनुशासन का पालन करने से वातावरण सुखद और व्यवस्थित बना रहता है। जैसे सैनिकों का जीवन पूरी तरह अनुशासित होता है, तभी वे देश की रक्षा कर पाते हैं। विद्यार्थी अनुशासित हो तो वह पढ़ाई में उत्कृष्टता प्राप्त करता है। इस दौरान अध्यक्ष ललित बाबेल, मंत्री लाभेश कांसवा, उपाध्यक्ष चंद्रशेखरया, सह मंत्री सुरेश चावत, सूरजमल पितलिया, कविता जैन, कन्हैया लाल चिपड़, कौशल लोढ़ा, विपन पितलिया, सुरेश दक, विकास जैन, रुपचंद देसरला, कमलसिंह दुगड़ आदि मौजूद रहे।



सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। अपने संबोधन में, डेनिस डिसिल्वा ने दक्षिण कन्नड़ जिला कांग्रेस अभियान समिति का

नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपने के लिए कांग्रेस आलाकमान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने संगठन को मजबूत करने और

उपाध्याय पुष्करमुनिजी की 116वीं जयंती तप त्याग और गुणगान से मनाई गई



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में साध्वी निर्मला के सान्निध्य में विराजमान साध्वी उपासना ने उपाध्याय पुष्करमुनि के 116वें जन्मोत्सव के अवसर पर उनके गुणगान करते हुए कहा कि उन्होंने श्रमण संघ की एकता के लिए सेतु का काम किया। श्रमण संघ को एक शक्तिशाली और सक्षम बनाना उनकी दृष्टि थी। स्थानकवासी, मूर्तिपूजक, तेरापंथी और दिगंबर परंपराओं को एक मंच पर लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उनके प्रमुख शिष्य देवेन्द्र मुनि ने बाद में श्रमण संघ के आचार्य पद से विभूषित होकर उनकी विरासत को आगे बढ़ाया। उपाध्याय पुष्कर मुनि वैदिक एवं श्रमण संस्कृति के अनूठे सेतु थे। दीक्षा ग्रहण करने के बाद वे जैन साधना पद्धति पर बढ़ते गये। उपाध्याय श्री ने संयमी जीवन में

जप और ध्यान साधना को विशेष स्थान दिया। आप अच्छे वक्ता, कुशल लेखक व श्रमण संघ संचालन में मुख्य भूमिका निभाने वाले प्रमुख सन्तों में से एक आदर्श सन्त थे, पर साथ ही ध्यान, योग से आप विशेष साधना में रत रहते, जिन्होंने आपके दर्शन किये उन्हे मालूम है कि एक घन्टे की साधना के बाद जो दोपहर की जो उनकी विशेष मांगलिक होती, वंहा भारी उपस्थिती रहती, तथा बहुत प्रभावी होती। जिसके कई संस्मरण है। नेमीचंद दलाल ने गुरु गुणगान में कहा गुरु पुष्कर ने अपने सरल जीवन में साधना के उच्चतम शिखर को प्राप्त किया। संपूर्ण स्थानकवासी परंपरा को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। श्रमण संघ को संगठित करने में सेतु का कार्य किया। सन् 1976 में रायचूर में उन्हें उपाध्याय पद से अलंकृत किया गया और सन् 1983 में राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह

द्वारा उन्हें विश्वसंत की उपाधि से विभूषित किया गया। गुरु पुष्कर संस्कृत के साथ-साथ वैदिक उपनिषद् एवं आगम ग्रन्थों के प्रकाण्ड विद्वान थे। ऐसे महापुरुष के चरणों में श्रद्धा के सुमन अर्पित करते है। साध्वी नंदिनी ने उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन किया और

साध्वी उपासना ने सुंदर विवेचन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर हैदराबाद से संजीव कुमार जैन और मंजु जैन, पंजाब मलोट से राजेंद्रकुमार जैन और रीटा जैन का अभिनंदन संघ के उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, किशोरकुमार दलाल, प्यारेलाल टपरावत, त्रिशला महिला मंडल मंत्री रेखा पोखरना, सायरबाई लोढ़ा, हंसा गन्ना, राजाजीनगर युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, अमित डांगी व अन्य ने किया। आभार उपाध्यक्ष रोशन नाहर ने दिया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मातेश्वरी मित्र मंडल राजराजेश्वरी नगर द्वारा मीनाक्षी कल्याण मंडप में आयोजित विशाल भजन संध्या कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोंत को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंडल के सदस्य मौजूद थे।

स्पिरिचुअल स्टॉक इन्वेस्टमेंट नामक रोचक प्रतियोगिता का आयोजन



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिक्षा साध्वी श्री संयमलता जी 4 के पावन सान्निध्य में तेरापंथ युवक परिषद् विजयनगर के निर्देशन में तेरापंथ किशोर मंडल विजयनगर द्वारा रोचक प्रतियोगिता स्पिरिचुअल स्टॉक इन्वेस्टमेंट का आयोजन तेरापंथ भवन विजयनगर में किया। साध्वी श्री संयमलता जी ने फरमाया कि नई पीढ़ी को जैन धर्म की परंपरा एवं तेरापंथ धर्म संघ के इतिहास को समझने का सरल एवं सुगम मार्ग है प्रतियोगिता। टीकेएम एवं टीवाईपी ने नये तरीके

से अच्छा कम्पटीशन करवाया है। ऐसे ही सभी प्रतिभागी उत्साह एवं उमंग के साथ आगे बढ़ते रहे। इस प्रतियोगिता में कुल 11 टीमों ने हिस्सा लिया, जिनको पूर्व प्रेषित प्रश्नोत्तर के आधार पर विभिन्न राउंड में प्रश्न पूछे गये जिसका कांसेप्ट शेयर मार्केट से जुड़ा हुआ था। इस प्रतियोगिता में प्रथम टीम अहिंसा इक्विटीस, द्वितीय टीम प्रेक्षा वेंचर, तृतीय टीम मर्यादा कैपिटल सहित सभी टीमों को प्रायोजक मनोहरलाल, राकेश, सुकेश बाबेल परिवार द्वारा परितोषित दिया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में

साध्वी श्री रौनकप्रभा जी का विशेष मार्गदर्शन रहा। कार्यक्रम के संयोजक एवं होस्ट प्रिंस मांडोत, टी के एम संयोजक दर्शन बाबेल, सहसंयोजक रोदम चावत, हर्ष मांडोत सहित रौनक गाँधी का विशेष श्रम रहा। इस अवसर पर सभा उपाध्यक्ष भँवरलाल मांडोत, तेयुप विजयनगर अध्यक्ष विकास बाँठिया, उपाध्यक्ष पवन बैद, सहमंत्री अमित नाहटा, अनुसमंंत्री एवं टी के एम प्रभारी पीयूष लल-वानी, महिला मंडल उपाध्यक्षा सुमित्रा बड़डिया सहित तेयुप टीम एवं श्रावक समाज की गरिमामय उपस्थिति रही।

डेनिस डिसिल्वा ने दक्षिण कन्नड़ जिला कांग्रेस अभियान समिति के अध्यक्ष का कार्यभार संभाला

मैंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तटीय क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी के संगठनात्मक आधार को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, डेनिस डिसिल्वा ने दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिला कांग्रेस अभियान समिति के अध्यक्ष के रूप में आधिकारिक तौर पर शपथ ली। बेंडोर स्थित सेंट सेबेस्टियन हॉल में आयोजित यह समारोह 'जय बापू - जय

भीम - जय संविधान' विषय पर आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन का हिस्सा था। कांग्रेस पार्टी में 25 वर्षों से अधिक की सेवा के साथ, डेनिस डिसिल्वा ने बृथ अध्यक्ष, वार्ड कांग्रेस समिति अध्यक्ष, दक्षिण कन्नड़ युवा कांग्रेस के महासचिव, ब्लॉक कांग्रेस समिति के सचिव और केपीसीसी अभियान समिति के राज्य समन्वयक सहित कई प्रमुख

पदों पर कार्य किया है। एक अनुभवी जमीनी नेता के रूप में, उन्होंने चुनाव अभियानों और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाई है। राजनीति से परे, डेनिस ने भारतीय कैथोलिक युवा आंदोलन (आईसीवाईएम) के धर्मप्रांतीय और राज्य अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है और सामुदायिक सेवा और आपदा राहत प्रयासों में

नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपने के लिए कांग्रेस आलाकमान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने संगठन को मजबूत करने और

रक्षा के लिए काम करना चाहिए और राष्ट्र के प्रति कांग्रेस पार्टी के अपार योगदान को उजागर करना चाहिए। उन्होंने कहा मजबूत संगठन के जरिए, हमें विपक्ष की संविधान-विरोधी गतिविधियों और दुष्प्रचार अभियानों का मुकाबला करते हुए पार्टी की विचारधारा, नेतृत्व और उपलब्धियों को बढ़ावा देना चाहिए।



कश्मीर के पर्यटन में फिर से आ रही है तेजी

गुलमर्ग में मौसम की पहली बर्फबारी से पर्यटक आनंद में

सुरेश एस डुगर

जम्मू, 06 अक्टूबर।

उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में सोमवार को मौसम की हुई पहली बर्फबारी ने पर्यटकों को आनंद में ला दिया। बर्फबारी ने कंगमडोर के मनोरम घास के मैदान को मनमोहक सफेद चादर से ढंक दिया। सुबह-सुबह शुरू हुई हल्की से मध्यम बर्फबारी ने इस क्षेत्र में सर्दियों की शुरुआत का संकेत दिया।

गुलमर्ग के चीड़ के जंगलों, छतों और हरी-भरी ढलानों पर बर्फ की चादर बिछी हुई थी, जिसने स्थानीय लोगों और पर्यटकों को आकर्षित किया। घाटी के शीतकालीन वंडरलैंड में तब्दील होते ही पर्यटक तस्वीरें खींचते, बर्फ के आदमी बनाते और गर्म चाय और नारते का आनंद लेते देखे गए। देश-विदेश से आए पर्यटकों ने गुलमर्ग में पहली बर्फबारी देखकर खुशी जताई। एक उत्साहित पर्यटक ने कहा कि पहली बार बर्फ देखना किसी



सपने के सच होने जैसा है। गुलमर्ग जादुई लग रहा है। स्थानीय गाइड, होटल व्यवसायी और टट्टू मालिकों ने भी बर्फबारी का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि सर्दियों के जल्दी आने से ज्यादा पर्यटक आएंगे और स्की सीजन से पहले स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

कंगमडोर और अफरावत चोटियों को जोड़ने वाली एशिया की सबसे ऊंची केबल कार गुलमर्ग गॉडोला मुख्य आकर्षण

रही। गुलमर्ग जाने वाली सभी सड़कें खुली हैं, लेकिन फिसलन भरे रास्तों के कारण वाहन चालकों को सावधानी से वाहन चलाने की सलाह दी गई है। शुरुआती बर्फबारी ने सर्दियों के मौसम के जीवंत होने की उम्मीदें बढ़ा दी हैं, और साहसिक खेल संचालक आने वाले हफ्तों में स्कीइंग और स्नोबोर्डिंग गतिविधियों की तैयारी कर रहे हैं। साल की पहली बर्फबारी के साथ, गुलमर्ग ने एक बार फिर कश्मीर

का मुकुट होने का अपना खिताब पक्का कर लिया है, जहां हर बर्फ का टुकड़ा प्रकृति की कविता और हिमालय के आकर्षण में चार चांद लगा देता है।

गुरेज घाटी का प्रवेश द्वार कहे जाने वाले राजदान दर्रे में सोमवार को फिर से बर्फबारी हुई, जिससे तापमान में अचानक गिरावट आई और उत्तरी कश्मीर के ऊंचे इलाकों में सर्दी का आगमन जल्दी हो गया। हल्की बर्फबारी के

बावजूद, राजदान टॉप की पहाड़ी ढलानें सफेद रंग से रंग गईं, जिससे इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता में चार चांद लग गए और साथ ही आने वाले कड़ाके की ठंड के मौसम की शुरुआत का संकेत भी मिला।

इस तरह कश्मीर के पर्यटन में फिर से तेजी आ रही है। पिछले दो महीनों के भीतर कश्मीर आने वाले विदेशी और देसी पर्यटकों की संख्या के देखते हुए ऐसा ही प्रतीत हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले दो महीनों में 3,000 से ज्यादा देसी पर्यटक कश्मीर पहुंच चुके हैं। विदेशी पर्यटक एक बार फिर घाटी के दर्शनीय स्थलों, जैसे गुलमर्ग, पहलगाम, और शालीमार, निशात और चरमा शाही जैसे मुगल उद्यानों के अलावा अन्य लोकप्रिय स्थलों की सैर कर रहे हैं। इस साल जनवरी से जून के दौरान 19,570 विदेशी पर्यटकों ने और इसी अवधि में 95 लाख से ज्यादा देसी पर्यटकों ने कश्मीर का भ्रमण किया।

टी राजा सिंह के खिलाफ फिर दर्ज हुई एफआईआर प्रखर हिंदूवादी होने का भुगत रहे खामियाजा

हैदराबाद, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हैदराबाद के गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक टी राजा सिंह के खिलाफ फिर मामला दर्ज किया गया है। राजा सिंह प्रखर हिंदूवादी होने का खामियाजा भुगत रहे हैं। राजा सिंह पर फिर यह आरोप लगाया गया है कि उन्होंने मध्य प्रदेश के एक कार्यक्रम में पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी की थी।

हैदराबाद पुलिस का कहना है कि टी राजा सिंह की आपत्तिजनक टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ, जिसके बाद शनिवार को शालीबांदा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।

शिकायत के आधार पर राजा सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

राजा सिंह प्रखर हिंदू नेता के रूप में देशभर में जाने जाते हैं। उन्हें अगस्त 2022 में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि बाद में उन्हें जमानत

मिल गई थी। राजा सिंह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर गोशामहल विधानसभा सीट से चुनाव जीता था। गोशामहल क्षेत्र एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के संसदीय क्षेत्र में आता है। वकील से नेता बने राजा सिंह हरिसेवा उदासीन आश्रम परिसर में दुर्गा शक्ति अखाड़ा के नौवें स्थापना दिवस में शामिल होने के लिए राजस्थान के भीलवाड़ा में थे। राजा सिंह ने कहा कि उन्होंने आंतरिक नेतृत्व की गलतियों के कारण पार्टी छोड़ी, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि भविष्य में चुनावी मुकाबलों में उनकी रुचि नहीं है।

राजा सिंह ने कहा, अब मेरा लक्ष्य अपने भारत के हिंदुओं को सुरक्षित रखना है, जिसके लिए मैं अपनी बहनों और बेटियों की रक्षा के लिए हर राज्य में जाता हूँ और हिंदू राष्ट्र के लिए हिंदू युवाओं को इकट्ठा करता हूँ। तीन साल में मेरा विधायक कार्यकाल समाप्त होने के बाद मैं राजनीति छोड़ दूंगा और प्रधानमंत्री मोदी के कार्यों का प्रचार जारी रखूंगा।

अग्रोहा धाम में विशाल वार्षिक मेला का मंगलवार को शुभारंभ

सिरसा, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अग्रोहा धाम में विशाल वार्षिक मेला 7 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। इस मेले में हरियाणा पंजाब राजस्थान दिल्ली चंडीगढ़ सहित विभिन्न राज्यों के श्रद्धालु पहुंचेंगे।

उपरोक्त जानकारी देते हुए अग्रोहा विकास ट्रस्ट के प्रदेशाध्यक्ष अंजनी कनोडिया, जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम गोयल, प्रधान अनिल सराफ, महासचिव

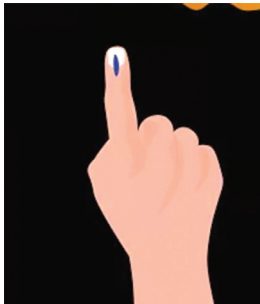
अश्वनी बंसल ने संयुक्त रूप से बताया कि इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि मुख्य संरक्षक अग्रोहा धाम डा. सुभाष चंद्रा व राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंगदास गर्ग शिरकत करेंगे। वहीं शुभ आशीर्वाद देने के लिए परम पूज्य महामंडलेश्वर महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी पहुंचेंगे। भजन सम्राट कन्हैया मिश्रल अपनी मधुर वाणी से भजनों की अमृत वर्षा करेंगे।

अंता विधानसभा उपचुनाव 11 नवम्बर को

21 अक्टूबर नामांकन की अंतिम तिथि

जयपुर, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत निर्वाचन आयोग ने बारां जिले के विधानसभा क्षेत्र अंता (क्रमांक 193) में उपचुनाव की घोषणा कर दी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार अंता विधानसभा क्षेत्र में 11 नवम्बर 2025 (मंगलवार) को मतदान संपन्न होगा तथा 14 नवम्बर 2025 को मतगणना की जाएगी। उन्होंने बताया कि उपचुनाव की अधिसूचना 13 अक्टूबर 2025 को जारी होगी। इसके साथ ही नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। 21 अक्टूबर 2025 नामांकन पत्र जमा कराने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 23 अक्टूबर को की जाएगी तथा 27 अक्टूबर 2025 तक नामांकन पत्र वापस लिए जा



सकेंगे। महाजन ने बताया कि अंता विधानसभा क्षेत्र में चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। सभी राजनैतिक दलों, अभ्यर्थियों एवं नागरिकों से आचार संहिता की पूर्ण पालना करने की अपील की।

उन्होंने बताया कि अंता विधानसभा क्षेत्र में 1 अक्टूबर 2025 तक कुल 2,27,563 मतदाता पंजीकृत हैं, जिसमें 1 लाख 16 हजार 405 पुरुष एवं 1 लाख 11 हजार 154 महिला और 4 अन्य मतदाता नामांकित है जो विधानसभा क्षेत्र में स्थापित 268 मतदान केंद्रों पर अपने मतधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

सनातन का अपमान नहीं सहेंगे कहते हुए वकील ने सीजेआई गवर्नर पर की जूता फेंकने की कोशिश, आरोपी हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट में एक वकील ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर हमला करने की कोशिश की। यह घटना तब घटी जब सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ वकीलों द्वारा मामलों की सुनवाई कर रही थी। सूत्रों के अनुसार, वकील मंच के पास गया और अपना जूता निकालकर जज पर फेंकने की कोशिश की। हालांकि, अदालत में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने समय रहते हस्तक्षेप किया और वकील को बाहर निकाल दिया। बाहर निकलते समय वकील को यह कहते सुना गया कि सनातन का अपमान नहीं सहेंगे। मुख्य न्यायाधीश ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और अदालत में मौजूद वकीलों से अपनी दलीलें जारी रखने को कहा।

उन्होंने कहा इस सब से विचलित न हों। हम विचलित नहीं हैं। ये बातें मुझे प्रभावित नहीं करतीं। यह घटना संभवतः खजुराहो में भगवान विष्णु की सात पुट ऊंची सिर कटी मूर्ति की पुनर्स्थापना से संबंधित एक पूर्व मामले में मुख्य



न्यायमूर्ति गवई पर हमला निंदनीय, इस तरह के कृत्य की समाज में कोई जगह नहीं : मोदी

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई पर हमले को निंदनीय करार देते हुए कहा है कि इस तरह के कृत्यों की भारतीय समाज में कोई जगह नहीं है। श्री मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, भारत के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति बी आर गवई जी से बात की। सुप्रीम कोर्ट परिसर में उन पर हुए हमले से हर भारतीय क्षुब्ध है। हमारे समाज में ऐसे निंदनीय कृत्यों के लिए कोई जगह नहीं है। यह अत्यंत निंदनीय है।

न्यायाधीश गवई की टिप्पणियों से प्रेरित थी। उस मामले को खारिज करते हुए उन्होंने कहा था जाओ और देवता से ही

कुछ करने को कहो। तुम कहते हो कि तुम भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हो। तो अभी जाकर प्रार्थना करो। यह एक

मुख्य न्यायाधीश को निशाना बनाना संविधान पर हमला : सोनिया

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर उच्चतम न्यायालय परिसर में हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे संविधान पर हमला करार दिया है। श्रीमती गांधी ने सोमवार को यहां एक वक्तव्य में कहा भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश पर उच्चतम न्यायालय में हुए हमले की निंदा करने के लिए कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है। यह न केवल उन पर, बल्कि हमारे संविधान पर भी हमला है। उन्होंने न्यायमूर्ति गवई को नेक इंसान बताते हुए कहा कि वह बहुत सरल और दयालु स्वभाव के इंसान हैं, लेकिन उन पर हमले के विरोध में राष्ट्र को पूरी मजबूती और एकजुटता के साथ उनके साथ खड़ा होना चाहिए। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय में सोमवार सुबह एक असाधारण घटनाक्रम में वकील की पोशाक पहने एक व्यक्ति ने अदालती कार्यवाही के दौरान न्यायमूर्ति गवई पर कथित रूप से कोई वस्तु फेंकने की कोशिश की।

पुरातात्विक स्थल है और भारतीय पुरा-तत्व सर्वेक्षण (एसएसआई) को अनुमति वगैरह देनी होगी।

इस टिप्पणी से सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया था और कई लोगों ने मुख्य न्यायाधीश पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया था। दो दिन बाद खुली अदालत में इस विवाद पर बोलते हुए, मुख्य न्यायाधीश गवई ने

कहा कि उनका कोई अनादर करने का इरादा नहीं था। उन्होंने कहा कि मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूँ... यह सब सोशल मीडिया पर हुआ। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश का समर्थन करते हुए कहा था कि सोशल मीडिया पर अक्सर घटनाओं पर प्रतिक्रियाओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है।

अमृतसर पुलिस ने दो आतंकियों को किया गिरफ्तार

आईएसआई कनेक्शन का खुलासा

अमृतसर, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया है। पुलिस ने दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार कर उनके पास से चार हैंड ग्रेनेड बरामद किए हैं।

यह ग्रेनेड ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से भेजे गए थे। अमृतसर ग्रामीण के एसएसपी मनिंदर सिंह ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि पुलिस ने बीते दिन एक ऑपरेशन के तहत रविंदर उर्फ रवि नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। उसकी तलाशी के दौरान दो हैंड ग्रेनेड बरामद हुए। पूछताछ में

रविंदर ने खुलासा किया कि उसका साथी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी उर्फ मिल्खा भी इस साजिश में शामिल है।

इसके बाद पुलिस ने हरप्रीत को भी गिरफ्तार कर लिया, जिसके पास से दो और हैंड ग्रेनेड मिले। एसएसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि दोनों आरोपी आईएसआई से जुड़े विदेशी हैंडलरों के संपर्क में थे। पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के माध्यम से ग्रेनेड की खेप भेजी गई थी, जिसे दोनों आरोपियों ने प्राप्त कर अमृतसर के ग्रामीण क्षेत्र में सुरक्षित ठिकाने पर छिपा रखा था। योजना यह थी कि आगे इन्हें कुछ खास टारगेट्स दिए जाएंगे, लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई से यह साजिश सफल नहीं हो सकी।

उन्होंने आगे कहा कि यह ऑपरेशन त्योंहारों से पहले पंजाब में शांति और सुरक्षा व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश थी, जिसे समय रहते नाकाम कर दिया गया। एसएसपी मनिंदर सिंह ने कहा कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनके नेटवर्क, विदेशी हैंडलरों और स्थानीय सहयोगियों की पहचान के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित की गई हैं।

पुलिस की इस कार्रवाई के बाद अमृतसर और आसपास के इलाकों में लोगों ने राहत की सांस ली है। वहीं, पंजाब पुलिस का कहना है कि पंजाब पुलिस प्रदेश में किसी भी आतंकी गतिविधि को सफल नहीं होने देगी। अमन और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है।

मुर्मू ने प्रदान किये राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार



नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में 2022-23 के लिए माई भारत-राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार प्रदान किये।

युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा 1993-94 में स्थापित यह पुरस्कार, समाज सेवा, सामुदायिक विकास और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान करने वाले देश के प्रतिभाशाली युवाओं को

सम्मानित करने के लिए दिया जाता है।

आधिकारिक सूचना के अनुसार मेरा भारत-राष्ट्रीय सेवा योजना सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में से है और जिसका उद्देश्य स्वेच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना है। यह योजना 1969 में महात्मा गांधी की जन्म शताब्दी समारोह के दौरान शुरू की गई थी।

तमिलनाडु की पहचान पर हमला, स्टालिन बोले-

हिंदी थोपने और आरएसएस की मनुस्मृति सोच के खिलाफ है ये लड़ाई

चेन्नई, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को राज्यपाल आरएन रवि पर पलटवार करते हुए उन कई लड़ाइयों का जिक्र किया जो राज्य लड़ रहा है, संघीय अधिकारों की रक्षा से लेकर सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता की रक्षा तक। राज्यपाल रवि ने पहले टिप्पणी की थी कि उन्होंने राज्य भर की दीवारों पर 'तमिलनाडु पोरालुम' (तमिलनाडु लड़ेगा) जैसे नारे लिखे देखे थे और सवाल किया था। किससे लड़ें? कोई भी तमिलनाडु के खिलाफ नहीं लड़ रहा है। राज्यपाल की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कि तमिलनाडु किसके खिलाफ लड़ रहा है? स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राज्य अहंकार,

कट्टरता और षड्यंत्रों के खिलाफ लड़ता है जो शिक्षा, समानता और लोकतंत्र को कमजोर करते हैं। स्टालिन ने एक विस्तृत बयान में कहा कि यह उस अहंकार के खिलाफ है जो कहता है कि शिक्षा के लिए धन तभी दिया जाएगा जब हिंदी को स्वीकार किया जाएगा। उन्होंने केंद्र पर वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने वाले संस्थानों में हिंदी थोपने और अंधविश्वास फैलाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि तमिलनाडु जनता द्वारा चुनी गई सरकारों को दबाने वाली लोकतंत्र-विरोधी ताकतों और संविधान की गरिमा को ठेस पहुंचाने वालों से लड़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य ने राज्यपाल के अधिकारों के अतिक्रमण के खिलाफ अपने

अधिकारों की रक्षा के लिए बार-बार अदालतों का दरवाजा खटखटाया है। स्टालिन ने आगे आरोप लगाया कि धार्मिक कट्टरता से भरे चालाक समूह भारत की प्रगति में बाधा डाल रहे हैं और उन्होंने तमिलनाडु के उद्योगों और नौकरियों को दूसरे राज्यों में स्थानांतरित करने के प्रयासों की चेतावनी दी। उन्होंने आरएसएस समर्थित दबंग कट्टरपंथियों पर भारतीय लोगों की एकता को तोड़ने और मनुस्मृति को फिर से स्थापित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने एनईईटी, परिसीमन और तिरुवल्लुवर तथा कीलाडी उल्लन्नन जैसे सांस्कृतिक प्रतीकों के कथित भगवाकरण जैसे मुद्दों का भी उदाहरण दिया, जिनका तमिलनाडु लगातार विरोध कर रहा है।

संभल में हुई कल्कि महोत्सव-विकासोत्सव की शुरुआत

मंत्री गुलाब देवी ने किया शुभारंभ, हफ्तेभर चलेगा जलसा

बहजोई (संभल), 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

संभल के बहजोई स्थित बड़ा मैदान सांस्कृतिक रंगों और उत्साह की लहरों से गुंज उठा। सोमवार को संभल कल्कि महोत्सव-विकासोत्सव की भव्य शुरुआत हुई।

राज्य मंत्री गुलाब देवी ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंच पर मौजूद अतिथियों के साथ उन्होंने विकास प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की।

उद्घाटन समारोह में विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने मनमोहक नृत्य और गीत प्रस्तुत किए, जिससे दर्शकों की तालियां गुंज उठीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि युवा पीढ़ी मोबाइल और इंटरनेट का सही उपयोग करे। पढ़ाई के लिए समय निकालें और अच्छी संगति में रहें। जब युवा आगे बढ़ेंगे, तभी देश आगे



बढ़ेगा।

इसके बाद कार्यक्रम में पहुंचे विकास मोहंती आकर्षण का केंद्र रहे। उन्हें देखते ही लोगों में उत्साह उमड़ पड़ा। उन्होंने युवाओं को प्रेरणादायक विचारों से संबोधित किया। डीएम डॉ. राजेंद्र पेंसिया ने माध्यमिक शिक्षा विभाग की योजनाओं और प्रोजेक्ट अलंकार पर प्रकाश डाला। इस दौरान भाजपा नेता

परमेश्वर लाल सैनी, जिला अधिकारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। डीएम डॉ. राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि संभल कल्कि महोत्सव-विकासोत्सव 13 अक्टूबर तक चलेगा। हर दिन अलग थीम के साथ सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सोमवार शाम छह बजे से भव्य

सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत हुई।

7 अक्टूबर को राजस्थानी और पंजाबी संगीत संध्या होगी जिसमें जस्सी गिल और बब्बल राय धमाल मचाएंगे। 8 अक्टूबर को बॉलीवुड नाइट में गायिका मोनाली ठाकुर की प्रस्तुति रहेगी। 9 अक्टूबर को कवि सम्मेलन होगा, जिसमें डॉ. सौरभ कांत शर्मा और विनीत चौहान सहित

कई कवि अपनी रचनाएं पेश करेंगे। 10 अक्टूबर को साधो बैंड की सूफी नाइट से महफिल सजेगी। 11 अक्टूबर को गोपाल मोहन भारद्वाज के भजन और कृष्ण नाटिका का आयोजन होगा। 12 अक्टूबर को हरियाणवी गायिका रुचिका जांगिड़ की संगीत संध्या होगी। 13 अक्टूबर को बॉलीवुड गायक बी प्राक अपनी प्रस्तुति देंगे।

महोत्सव से पहले रविवार को कलकट्टे सभागार में बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्वागत गीत, मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम, वीवीआईपी व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल और सफाई की रूपरेखा तय की। इसके अलावा सोमवार सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक माध्यमिक शिक्षा में बदलता उत्तर प्रदेश व प्रोजेक्ट अलंकार पर संगोष्ठी हुई, जिसमें मंत्री गुलाब देवी मुख्य अतिथि रहें।

बरेली बवाल : तौकीर रजा के एक और करीबी का बारातघर सील



सपा पार्षद के शोरूम पर भी हुई कार्रवाई

बरेली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बरेली बवाल के आरोपी मौलाना तौकीर रजा के करीबियों पर कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) की टीम ने सोमवार को सपा के पूर्व पार्षद वाजिद बेग के बरातघर को सील कर दिया। यह बरातघर फरीदपुर चौधरी में है। बीडीए अफसरों के मुताबिक अवैध तरीके से बरातघर का निर्माण कराया था। कई बार रोकने के बावजूद निर्माण नहीं रोका गया। इसलिए यह कार्रवाई की गई है।

वाजिद बेग सपा से पार्षद रह चुके हैं। मौलाना तौकीर के करीबी बताए गए हैं। उनके बरातघर पर सीलिंग की कार्रवाई

के दौरान सीओ पंकज श्रीवास्तव, बीडीए के अफसर और भारी पुलिस बल तैनात रहा। बीडीए टीम ने बरातघर पर लगा ताला तोड़कर अपना ताला लगाकर सील लगा दी। नोटिस भी चस्पा किया गया है। चेतावनी दी गई है कि सील को क्षतिग्रस्त करने या हटाने पर एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बारातघर सील करने के बाद बीडीए की टीम अचानक कोहाड़ापीर पहुंच गई। टीम ने यहां सपा पार्षद मुन्ना का बाइक शोरूम सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान सपा पार्षद व कर्मचारी शोरूम में ही थे। उन्हें बाहर निकाल दिया गया। इस कार्रवाई को भी बवाल से जोड़कर देखा जा रहा है। इस पार्षद मुन्ना का कहना है कि वह बवाल के दिन कहीं गए भी नहीं थे। उनके

नवासे का हाथ टूटा था। वही गया था। उसके बाद यहीं रहा। पार्षद ने बताया कि वह कैसर पीड़ित है। मेरे यहां कैमरे लगे हैं। जो लोग शामिल रहे, उन पर कार्रवाई करें। मौलाना तौकीर की पार्टी अलग है, मेरी अलग विचारधारा अलग है।

शहर में 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद बीडीए अब तक मौलाना तौकीर के कई करीबियों की संपत्तियों को सील कर चुका है। पीलीभीत रोड पर आरिफ के फहम लान, फ्लोरा गार्डन और उसकी पत्नी का स्काईलार्क होटल, नरियावल स्थित शराफत के बरातघर को भी बीडीए सील कर चुका है। नौमहला मस्जिद के पास आरोपी नदीम की चार दुकानें भी सील की जा चुकी है। मौलाना को शरण देने वाले फरहत का मकान भी सील हो चुका है।

88 खराब पाइप जोड़कर बीएचयू हॉस्टल में बनाई नालियां

छात्रों ने किया रेन वाटर हार्वेस्टिंग का नायाब प्रयोग

वाराणसी, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बीएचयू के छात्रों ने एक हॉस्टल में ऐसे सिस्टम तैयार किया है, जिसने यहां बारिश के बाद जलभराव नहीं होने दिया। बारिश बंद होते ही पानी सीधे जमीन के नीचे पाइपों के जाल से होते हुए मुख्य निकासी में मिल गया।

बनारस में 187 मिमी बारिश के बाद बीएचयू में चारों ओर कमर तक जलभराव की समस्या देखने को मिली। वहीं, दूसरी ओर बीएचयू का एक हॉस्टल ऐसा भी था जिसके रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम ने 10 मिनट भी हॉस्टल परिसर में पानी नहीं लगने दिया। बारिश बंद होते ही पानी सीधे जमीन के नीचे पाइपों के जाल से होते हुए मुख्य निकासी में मिल गया। इस हॉस्टल में रहने वाले छात्रों ने ही ये सिस्टम तैयार किया है।

बीएचयू के सरदार वल्लभ भाई पटेल हॉस्टल में नौ जगहों पर वाटर ड्रेन बनाए गए हैं, जिनकी गहराई 10-10 फीट तक है। इससे पानी धीरे-धीरे जमीन के अंदर चला जाता है। दशकों से बेकार पड़े 88 टेलीफोन पाइप को निकाला गया और कुछ पाइप की वेलिंग करवाई और जमीन के अंदर नाली बनाकर कुल 19 चैंबर बनाए। इन सभी छोटे-छोटे चैंबर के सहारे सभी तरह की जल निकासी को मुख्य चैंबर के साथ जोड़ दिया गया। इसमें 12 वाटर कूलर फिल्टर भी लगाए गए हैं।

इस सिस्टम को हॉस्टल के प्रशासनिक संरक्षक डॉ. धीरेंद्र राय और उनके छात्रों की टीम ने तैयार किया है, जिसमें आईआईटी बीएचयू के वैज्ञानिक प्रो. वी कुमार की मदद ली गई है। हॉस्टल के वॉलीबॉल कोर्ट, दो बैडमिंटन कोर्ट, दर्जनों सीटिंग

बैंच सहित परिसर में छोटे बड़े कुल नौ उद्यान में कहीं भी जलभराव नहीं था। इन सब काम को बिना किसी सरकारी वित्तीय मदद के छात्रों के साथ मिलकर किया गया।

डॉ. राय ने बताया कि यह सब हॉस्टलर्स और यहां के लोगों की वजह से संभव हो पाया है। छात्रावास के छात्रों और कर्मचारियों के साथ मिलकर पांच वर्ष पहले ही लैंडस्केपिंग, गार्डनिंग, प्लांटेशन और जलनिकासी पर बहुत कार्य किया। सात महीने तक काम चला। इसमें कुल 840 ट्रक मिट्टी और 7000 ईंटें लगीं। आईआईटी बीएचयू के प्रो. वी कुमार ने इस स्ट्रक्चर डिजाइनिंग में मदद की थी। छुट्टी में सभी छात्र जुटते थे और इस काम को पूरा करते थे। ये काम सामूहिक और व्यक्तिगत प्रयासों से पूरा हुआ।

वाराणसी शहर में अब आसान हो जाएगा आवागमन

रोप-वे से चार किमी सफर के लिए लगेगे 40 रुपए

वाराणसी, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

वाराणसी शहर में अब आवागमन आसान हो जाएगा। शहर में रोप-वे की शुरुआत होने जा रही है। वाराणसी में रोप-वे के किराये का खाका भी तैयार कर लिया गया है। कैट रेलवे स्टेशन से गोदौलिया तक का किराया 40 रुपए होगा। चार स्टेशनों के बीच की दूरी करीब चार किलोमीटर है इसलिए प्रति किलोमीटर 10 रुपए किराया वसूलने का खाका तैयार किया गया है। इस सिलसिले में किराया निर्धारण कमेटी की लखनऊ में दो बार बैठक हो चुकी है। दूसरी तरफ, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए पास बनाने का निर्णय लिया गया है।

रोप-वे का संचालन नए साल से होना है। इसके लिए यूपी एरियल एक्ट बनाया गया है। चार सदस्यीय किराया निर्धारण कमेटी का गठन हो गया है। इस कमेटी के अध्यक्ष प्रमुख सचिव



शहरी विकास हैं। वीडीए उपाध्यक्ष, रोप-वे का निर्माण कराने वाली नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक मैनेजमेंट लिमिटेड (एनएचएलएमएल) और यूपी मेट्रो कारपोरेशन के एक-एक अधिकारी को सदस्य बनाया गया है।

किराया निर्धारण कमेटी की बैठक दो बार हो चुकी है। इसमें प्रति किलोमीटर किराया दस रुपए रखने पर सहमति बनी है। प्रस्तावित किराये पर जल्द ही शासन स्तर से मुहर लगेगी, फिर अंतिम प्रक्रिया

पूरी की जाएगी। कमेटी रोप-वे का किराया आंटी और ई रिक्शा से कम रखना चाहती है ताकि पर्यटकों के साथ ही स्थानीय नागरिक रोप-वे से सफर कर सकें। चार किलोमीटर के लिए आंटी चालक 80-100 रुपए वसूलते हैं। ई रिक्शा चालक 60 से 70 रुपए लेते हैं। इसे देखते हुए ही रोप-वे का कुल किराया 40 रुपए रखने पर सहमति बनी है।

श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन करने

वाले श्रद्धालुओं के लिए एक महीने, तीन और छह महीने के साथ ही एक साल के पास बनाए जाएंगे। पास सस्ते होंगे जो दैनिक किराये से भी कम कीमत पर बनाए जाएंगे। इस पर किराया निर्धारण कमेटी की सहमति बन चुकी है। कमेटी के सदस्यों का कहना है कि कैट रेलवे स्टेशन से रोजाना 95 हजार यात्रियों का आना-जाना होता है। इनमें से ज्यादातर यात्री काशी विद्यापीठ, रथयात्रा, गोदौलिया स्टेशन और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर जाते हैं।

रोप-वे निर्माण के पहले चरण में चार स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इनमें से कैट, काशी विद्यापीठ और रथयात्रा स्टेशन बन गए हैं। ट्रायल भी चल रहा है। गोदौलिया स्टेशन का निर्माण चल रहा है। गोदौलिया स्टेशन का निर्माण नए साल में पूरा होगा। इसी बीच दूसरे चरण के लिए भी सर्वे शुरू हो गया है। दूसरे चरण में रोप-वे का विस्तार होना है। गोदौलिया से गंगा घाटों को जोड़ना है। रोप-वे के जरिये नमो घाट तक पहुंचा जा सकेगा। इसी तरह रामनगर तक का जुड़ाव रोप-वे से होगा।

उत्तर प्रदेश में आलू की हुई बंपर पैदावार

भाव गिरने से दोहरे घाटे में किसान

नेपाल की हिंसा और बिहार की बाढ़ से छाई मंदी

लखनऊ, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में 1500 रुपए प्रति क्विंटल का आलू अब एक हजार रुपए में बिक रहा है। फिर भी खरीदार नहीं मिल रहे हैं। इसकी मूल वजह बंपर पैदावार है। नेपाल की अशांति से घटी मांग और बिहार में आई बाढ़ से भी भाव गिरे हैं। पंजाब और पश्चिम बंगाल के आलू ने आसपास के राज्यों पर कब्जा कर लिया। ऐसे में उत्तर प्रदेश का भंडारित 35 से 40 फीसदी आलू अभी भी शीतगृहों में बचा है।

देशभर में होने वाली कुल पैदावार का करीब 35 प्रतिशत आलू उत्पादन उत्तर प्रदेश में होता है। वर्ष 2024-25 में करीब 245 लाख मीट्रिक टन आलू पैदा हुआ। प्रदेश के 2207 शीतगृह में करीब 150 लाख मीट्रिक टन आलू का भंडारण हुआ। आमतौर पर जुलाई के अंतिम सप्ताह से सितंबर माह में आलू निकासी की गति बढ़ जाती है। यही वजह है कि उद्यान विभाग



ने 31 अक्टूबर तक शीतगृह खाली करने का निर्देश दिया है, लेकिन भाव और खपत कम होने की वजह से इस वर्ष आलू की निकासी नहीं हो पा रही है।

करीब 35 से 40 फीसदी आलू शीतगृह में पड़ा है। इसमें 15 फीसदी आलू बीज के रूप में प्रयोग होगा। फिर भी 20 से 30 फीसदी आलू मुसीबत बन सकता है। व्यापारी आलू निकासी नहीं होने की वजह बाजार में गिरावट बता रहे हैं। अप्रैल-मई माह में थोक में सफेद आलू का भाव करीब 1157 से 1173 रुपए प्रति क्विंटल था। जिन लोगों ने आलू शीतगृह में रख, उन्हें 250 रुपए शीतगृह भाड़ा, 100 रुपए

का बोरा और पल्लेदारी व खेत से स्टोर तक पहुंचाने में करीब 100 रुपए प्रति क्विंटल अन्य खर्च करने पड़े। इस तरह शीतगृह में रखे आलू की कीमत करीब 1500 रुपए से अधिक पहुंच गई। इन दिनों थोक मंडियों में आलू 900 से 1100 रुपए प्रति क्विंटल बिक रहा है।

उत्तर प्रदेश की तरह पंजाब, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश में भी आलू की बंपर पैदावार हुई। सातनपुर मंडी समिति के आलू कारोबारी रिकू वर्मा बताते हैं कि पंजाब से बड़ी मात्रा में आलू पाकिस्तान जाता था। आगरा से भी कुछ आलू पाकिस्तान भेजा जाता था, लेकिन इस वर्ष नहीं गया। ऐसे में पंजाब का आलू राजस्थान और गुजरात के बाजार पर कब्जा कर लिया। उत्तर प्रदेश का आलू नेपाल भी नहीं जा पाया है। अकेले फर्रुखाबाद से 10 से 15 रैक आलू आसाम जाता था, इस बार दो-तीन रैक ही रवाना हो पाई। पश्चिम बंगाल का आलू बिहार और झारखंड में उत्तर प्रदेश की अपेक्षा करीब डेढ़ सौ रुपए प्रति क्विंटल सस्ता पहुंचा।

कैदियों को भगाने का प्लान बना रहे थे पुलिसकर्मी

गाजियाबाद के दो कांस्टेबल गिरफ्तार

गाजियाबाद, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

गाजियाबाद में दो पुलिसकर्मीयों को जेल से कैदियों को भागने में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। दोनों कांस्टेबलों को डासना जेल से दो कैदियों को भागने में मदद करने की कथित साजिश रचने के आरोप में शनिवार को गिरफ्तार कर निलंबित कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि वे खुद को कैदियों को अदालत की सुनवाई के लिए ले जाने वाले आधिकारिक ड्यूटी पर तैनात कर्मी बता रहे थे।

पुलिस के अनुसार, गाजियाबाद पुलिस लाइन थाने में तैनात कांस्टेबल सचिन कुमार और राहुल कुमार शनिवार दोपहर करीब 12 बजे दिल्ली के रजिस्ट्रेशन नंबर वाली एक सफेद हैचबैक कार में डासना जेल पहुंचे।

यह उनकी निजी गाड़ी थी। अधिकारियों ने बताया कि वे वर्दी पहने हुए थे और उनके पास एक प्रोडक्शन वारंट जैसा कुछ था, जिसमें दावा किया गया था कि उन्हें

एक कैदी को नोएडा में अदालती सुनवाई के लिए ले जाने के लिए भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि जेल में प्रवेश करते ही दोनों कांस्टेबलों ने शुरू में केवल दो कैदियों- बिजेंद्र और वंश को ले जाने पर जोर दिया जबकि वारंट में उस दिन पेशी के लिए 6 कैदियों की सूची थी। पुलिस ने बताया कि जब उन्हें बताया गया कि सभी 6 लोगों को एक साथ भेजा जाएगा तो आरोपी सिर्फ दो लोगों को ले जाने पर अड़े रहे। अधिकारियों ने बताया कि तुरंत जांच से पता चला कि उस दिन गौतमबुद्ध नगर में कैदियों की पेशी के लिए गाजियाबाद पुलिस लाइन से कोई सरकारी गाड़ी या कर्मी मंजूर नहीं किया गया था। एसीपी कवि नगर भास्कर वर्मा ने कहा, वे उस दिन ड्यूटी पर नहीं थे और उनके साथ कोई सब-इंस्पेक्टर भी नहीं था जो अदालत की सुनवाई के लिए कैदियों को ले जाते समय अनिवार्य है।

किसी गड़बड़ी की आशंका होने पर, जिला जेल अधीक्षक ने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। रिजर्व पुलिस लाइन्स द्वारा की गई जांच में जल्द ही पुष्टि हो गई कि कांस्टेबलों को ऐसी कोई ड्यूटी नहीं सौंपी गई थी। पुलिस ने कहा कि कांस्टेबल कथित तौर पर पैसे के बदले कैदियों को भागने में मदद करने की साजिश रच रहे थे। पुलिस ने बताया कि जब यह अनियमितता सामने आई तो जेल अधीक्षक ने किसी भी कैदी को रिहा करने से इनकार कर दिया, जिसके कारण कांस्टेबल परिसर से भाग गए। उसी शाम गाजियाबाद पुलिस लाइन के रिजर्व इंस्पेक्टर चंद्रमन सिंह ने कवि नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद एफआईआर दर्ज की गई और दोनों कांस्टेबलों को गिरफ्तार कर लिया गया। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने कहा, दोनों कांस्टेबलों के खिलाफ कैदियों को धोखे से ले जाने का प्रयास करने का मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि भागने के लिए पैसे का सौदा किया गया था। पुलिस ने बताया कि राहुल कुमार पुलिस लाइन में जनगणना क्लर्क के पद पर तैनात थे जबकि सचिन कुमार रिजर्व बल में कार्यरत थे। उनकी गिरफ्तारी के बाद, वरिष्ठ अधिकारियों ने आंतरिक जांच के लिए पुलिस लाइन का दौरा किया।



इन्कार कर दिया, तो गाजा पर इराइइली हमला करने हो जाएगा। कैट्रज ने यरुशलम में शहीदों, सैनिकों के सम्मान में आयोजित समारोह में कहा, यदि हमारा संबंधकों को रिहा करने से इनकार करता है तो आरपाक का युद्ध होगा। कैट्रज ने कहा कि इजराइली की सेना गाजा शहर के मध्य में सक्रिय है और किसी भी स्थिति के लिए तैयार हैं। इजराइली, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात, इरान, ईरान, पाकिस्तान, तुर्की, सऊदी अरब और कतर ने रिवारको एक संयुक्त बयान जारी कर गाजा पट्टी में युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिकी सरकारपत्रिज डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्तावित युद्धविराम योजना की दिशा में हमारे कदमों का स्वागत किया। बयान के अनुसार, इन देशों के राष्ट्रपति ने गाजा में युद्ध समाप्त करने, सभी संबंधकों, चाहे वे जीवित हों या मृत को रिहा करने और कार्यान्वयन तंत्र पर तत्काल बातचीत शुरू करने के ट्रंप के प्रस्ताव के संबंध में हमारा द्वारा उत्तरा एक कदमों का स्वागत किया।



वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर बर्नार्ड जूलियन का 75 वर्ष की उम्र में निधन

वलसेन (त्रिनिदाद), 06 अक्टूबर (एजेंसियां) । वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर और 1975 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य बर्नार्ड जूलियन का शनिवार को 75 वर्ष की उम्र में वलसेन (त्रिनिदाद) में निधन हो गया। उन्होंने वेस्टइंडीज की ओर से 24 टेस्ट और 12 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा लिया था। जूलियन ने 1975 के पहले विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने 4 विकेट पर 20 रन, न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 विकेट पर 27 रन और फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 37 गेंदों में 26 रन की

महत्वपूर्ण पारी खेली थी। वह बाएं हाथ को तेज गेंदबाजी, बेहतरीन स्टोकप्ले और जीवंत फील्डिंग के लिए जाने जाते थे। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान क्लाइव लॉयड ने उन्हें 1975 की विजेता टीम का अहम स्तंभ बताया। उन्होंने एक बयान में कहा, वह हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देते थे। मैंने कभी उन्हें जिम्मेदारी से पीछे हटते नहीं देखा। वह एक सच्चे टीम खिलाड़ी थे, जिन पर मैं हमेशा भरोसा कर सकता था — बल्ले और गेंद दोनों से। वे एक बेहतरीन क्रिकेटर थे। लॉर्ड्स में भी जूलियन ने यादगार प्रदर्शन

किया था, जब उन्होंने 1973 में इंग्लैंड के खिलाफ 121 रनों की मैच जिताने वाली पारी खेली और अगले वर्ष उसी टीम के खिलाफ पांच विकेट भी हासिल किए। लॉयड ने आगे कहा, हम सब उनका बहुत सम्मान करते थे। वे सभी के प्रिय थे। लॉर्ड्स में टेस्ट जीतने के बाद हमने लंबे समय तक दर्शकों के लिए ऑटोग्राफ दिए — वह हमारे लिए गर्व का पल था। जूलियन ने 1970 से 1977 तक इंग्लैंड की काउंटी टीम 'केंट' के लिए भी खेली। हालांकि, उनका करियर तब रुक गया जब उन्होंने 1982-83 में रंगभेद काल के दौरान

दक्षिण अफ्रीका का दौरा करने वाली विद्रोही वेस्टइंडीज टीम में हिस्सा लिया। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. किशोर शेलो ने शोक व्यक्त करते हुए कहा, जब हम बर्नार्ड जूलियन को श्रद्धांजलि देते हैं, तो हमें समझ और समावेश की भावना के साथ उस दौर को भी याद करना चाहिए। उनका जीवन इस बात का प्रतीक है कि उद्देश्यपूर्ण जीवन कभी समाप्त नहीं होता। उन्होंने आगे कहा, बर्नार्ड जूलियन के परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं। वेस्टइंडीज क्रिकेट परिवार उनके योगदान को सदैव याद रखेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

बीसीसीआई महिला सीनियर टी-20 प्रतियोगिता : हिमाचल टीम की घोषणा
सुष्मा वर्मा को कप्तान की जिम्मेदारी
धर्मशाला। बीसीसीआई महिला सीनियर (टी-20) एलीट टूर्नामेंट 2025-26 के लिए हिमाचल की महिला



सीनियर टीम की घोषणा कर दी गई है। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने महिला वरिष्ठ खिलाड़ियों का चयन कर टीम की सोमवार को घोषणा कर दी है। टीम का जिम्मा वरिष्ठ खिलाड़ी एवं पूर्व में भारतीय टीम का हिस्सा रही सुष्मा वर्मा को दिया गया है। चयनित टीम के खिलाड़ियों में नैसी शर्मा चंवा, ज्योति ठाकुर कांगड़ा, प्रीती देवी कांगड़ा, सुषिता कुमारी किन्नौर, मोनिका कुल्चु, यमुना देवी कुल्चु, नीना चौधरी मंडी, निकिता मंडी, शिकानी मंडी, सोनल मंडी, देवांशी वर्मा शिमला, मनीषा शिमला, निकिता चौहान शिमला, प्राची चौहान शिमला, सुष्मा वर्मा (कसान) शिमला, वासुवी फिश्टा शिमला शामिल हैं। इसके अलावा टीम में सहायक कर्मचारियों में योगिंदर पुरी कोच, प्रेम सिंह सहायक कोच, शिवानी शर्मा फील्डिंग कोच, मनीषा फिजियो, वीना देवी प्रशिक्षक, आशुतोष पांडे वीडियो विश्लेषक, सोनाली ठाकुर मसाजोर तथा शिव कपूर को बतौर प्रबंधक नियुक्त किया गया है।

शंघाई मास्टर्स 2025: डिफेंडिंग चैंपियन जैकन सिनर चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर

शंघाई। शंघाई मास्टर्स 2025 में मौजूदा चैंपियन जैकन सिनर को रविवार को नीदरलैंड्स के टैलन ग्रीकस्पूर के खिलाफ तीसरे राउंड के मुकाबले में पैर की चोट के कारण मैच से रिटायर होना पड़ा। विश्व

नंबर दो सिनर को तीसरे सेट के चौथे गेम के दौरान पैर में तकलीफ महसूस हुई। उन्होंने खेल जारी रखने की कोशिश की, लेकिन स्कोर 6-7(3), 7-5, 3-2 के समय उन्होंने मुकाबला छोड़ दिया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। सिनर ने टाईब्रेक में शानदार खेल दिखाया और दो ऐसे लगाकर शुरुआती बढ़त हासिल की। दूसरे सेट में रोमांच और बढ़ गया। डच खिलाड़ी ग्रीकस्पूर ने दूसरे गेम में तीन ब्रेक प्वाइंट बचाए और आखिरकार 11वें गेम में बैकहैंड शॉट से ब्रेक करते हुए सेट जीतकर मुकाबले को आधी रात के बाद तक खींच लिया। तीसरे सेट के चौथे गेम में सिनर दर्द से झुक गए और कोर्ट पर लंगड़ाते हुए चलते दिखे। उनकी स्थिति अगले गेम में और बिगड़ गई, जिसके बाद उन्होंने कुछ आसान शॉट्स नेट में मारे और ग्रीकस्पूर को आसान ब्रेक मिल गया। अंततः उन्हें सहायता लेकर कोर्ट छोड़ना पड़ा और उन्होंने मैच से रिटायर होने का फैसला किया। सिनर की यह चोट गंभीर बताई जा रही है, और अब यह देखा होगा कि वह आगे आने वाले टूर्नामेंट्स में कितनी जल्दी वापसी कर पाते हैं।

विशाखापतनम स्टेडियम में मिताली और कल्पना के नाम पर होंगे स्टेड, 12 अक्टूबर को होगा उद्घाटन



विशाखापतनम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज और पूर्व क्रिकेटर रवि कल्पना के नाम पर अब विशाखापतनम क्रिकेट स्टेडियम के दो स्टेड होंगे। इन दोनों के नाम के स्टेड का उद्घाटन 12 अक्टूबर को भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले महिला विश्व कप मैच में किया जाएगा। भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना के अनुरोध के बाद ही स्टेड के नाम मिताली और कल्पना के नाम पर रखे जाने का फैसला लिया गया है। मंधाना की अपील पर मंत्री नारा लोकेश ने आंध्र क्रिकेट संघ से सलाह के बाद विशाखापतनम स्टेडियम में मिताली और कल्पना के नाम पर स्टेड के नाम रखे जाने का फैसला लिया। मंत्री नारा लोकेश ने कहा की मंधाना के सुझाव पर अमल महिला क्रिकेट की इन हस्तियों को सम्मानित करने के लिए किया जा रहा है। ऐसे में अब आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच से पहले 12 अक्टूबर को मिताली राज स्टेड और रवि कल्पना स्टेड का उद्घाटन करेगा। स्टेड का नाम बदलने से महिला क्रिकेटर्स के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ ही खेल में उनके योगदान को भी महत्व देना है। इससे उपरती प्रतिभाओं को भी महिला क्रिकेट को एक पेशे के रूप में अपनाने की प्रेरणा भी मिलेगी। राज ने अपने करियर में 12 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 1 शतक और 4 अर्धशतकों के साथ 699 रन बनाए। इसके अलावा, उन्होंने 232 वनडे मुकाबलों में 7 शतकों और 64 अर्धशतकों के साथ कुल 7,805 रन बनाये।

तेलंगाना लैक्रोस सीनियर गर्ल्स टीम ने दक्षिण-क्षेत्र राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025-26 में स्वर्ण पदक जीता



हैदराबाद, अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण-क्षेत्र लैक्रोस राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025-26 बड़े उत्साह और प्रतिस्पर्धी भावना के साथ संपन्न हुई, जिसमें छह दक्षिण भारतीय राज्यों - तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और पुडुचेरी ने भाग लिया। कौशल और टीम वर्क के उल्लेखनीय प्रदर्शन के साथ, तेलंगाना लैक्रोस सीनियर गर्ल्स टीम ने स्वर्ण पदक जीता और दक्षिण क्षेत्र चैंपियन बनी। खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण प्रदर्शन और समर्पण का परिचय दिया, जिससे राज्य का गौरव बढ़ा और लैक्रोस में उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित हुए। तेलंगाना लैक्रोस एसोसिएशन, अध्यक्ष - मोहम्मद लतीफ उद्दीन, महासचिव - के. भानु चंदर और संयुक्त सचिव - जी.वी.एन. शेखर के नेतृत्व में, लगातार लैक्रोस को बढ़ावा दे रहा है और राज्य भर में युवा प्रतिभाओं को निखार रहा है। इस सफलता के बाद, एसोसिएशन ने आगामी दूसरे

फेडरेशन कप 2025-26 की घोषणा की, जिसमें लड़कें और लड़कियों दोनों टीमों के लिए चयन ट्रायल और गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल होंगे। इस आयोजन का उद्देश्य नई प्रतिभाओं की पहचान करना और आगामी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय लैक्रोस चैंपियनशिप के लिए एथलीटों को तैयार करना है। तेलंगाना लैक्रोस एसोसिएशन ने दक्षिण भारत में लैक्रोस के विकास के लिए सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और अधिकारियों के समर्पण और योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। इस चैंपियनशिप में तेलंगाना की सीनियर गर्ल्स टीम ने फाइनल मैच में कर्नाटक को कड़ी टक्कर दी, जहां उनके तेज हमलों और मजबूत रक्षा ने निर्णायक भूमिका निभाई। कप्तान ने बताया, हमारी जीत का राज है दैनिक अभ्यास और एक-दूसरे पर विश्वास। टूर्नामेंट के दौरान टीम ने सभी मैचों में कम से कम 70% गोल

सफलता दर हासिल की, जो दक्षिण क्षेत्र में लैक्रोस के स्तर को उंचा उठाने का संकेत है। स्थानीय कोचों ने भी सराहना की कि ये युवतियां न केवल खेल में बल्कि अनुशासन में भी अव्वल हैं। इस सफलता से प्रेरित होकर, कई नई लड़कियां अब लैक्रोस एकेडमी में दाखिला लेने की तैयारी कर रही हैं, जो राज्य में खेल संस्कृति को मजबूत करने का संकेत देता है।

तेलंगाना लैक्रोस एसोसिएशन के नेतृत्व ने पिछले वर्षों में राज्य के 20 जिलों में 50 से अधिक ट्रेनिंग सेंटर स्थापित किए हैं, जिससे सैकड़ों लड़कियां इस खेल से जुड़ी हैं। अध्यक्ष मोहम्मद लतीफ उद्दीन ने कहा, यह स्वर्ण पदक हमारी मेहनत का फल है, और अब हम फेडरेशन कप के लिए और मजबूत टीम तैयार करेंगे। आगामी ट्रायल्स अक्टूबर के अंत में शुरू होंगे, जहां चयनित खिलाड़ियों को विशेषज्ञ कोचिंग दी जाएगी। एसोसिएशन ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जाने के लिए स्पॉन्सरशिप की तलाश भी शुरू कर दी है, ताकि ये चैंपियन राष्ट्रीय स्तर पर भी चमक सकें।

इस चैंपियनशिप ने दक्षिण भारत में लैक्रोस को एक नई पहचान दी है, जहां पहले यह खेल अपेक्षाकृत कम लोकप्रिय था। अन्य राज्यों की टीमों ने भी तेलंगाना की जीत पर बधाई दी और संयुक्त ट्रेनिंग कैंप की मांग की। एसोसिएशन ने सभी योगदानकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह सफलता सामूहिक प्रयास का परिणाम है। भविष्य में, लैक्रोस को स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल करने की योजना पर काम चल रहा है, जो खेल को जमीनी स्तर पर मजबूत करेगी। इस जीत ने न केवल तेलंगाना बल्कि पूरे दक्षिण क्षेत्र के युवाओं को प्रेरित किया है।

वाडेकर की कप्तानी में भारत ने खेला था पहला वनडे शुभमन बने 28वें कप्तान



मुम्बई, 06 अक्टूबर (एजेंसियां) । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को एकदिवसीय टीम का नया कप्तान बनाया है। रोहित शर्मा की जगह कप्तानी संभालने जा रहे शुभमन 28 भारतीय कप्तान हैं। एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास पर नजर डालें तो भारतीय टीम ने अपना पहला मैच साल 1974 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। तब से अब तक के 51 साल के सफर में भारतीय टीम ने 27 कप्तान देखे हैं। वहीं सबसे पहली बार भारतीय एकदिवसीय टीम की कप्तानी अजीत वाडेकर ने संभाली थी। उस मैच में भारतीय टीम को 4 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी। वाडेकर अधिक समय तक कप्तान नहीं रहे। दो मैच के बाद ही श्रीनिवास वैकटराघवन को कप्तान बनाया गया। इस प्रकार वैकटराघवन भारत के दूसरे एकदिवसीय कप्तान थे। वैकटराघवन ने 7 मैच में टीम इंडिया की कप्तानी संभाली। उसके बाद स्पिनर बिशन सिंह बेदी को कप्तान बनाया गया। बेदी भी 4 एकदिवसीय मैचों में ही कप्तानी कर पाये। इस प्रकार शुरुआत में ही भारत ने तीन कप्तान बदल दिये। इसके बाद कप्तानी सुनील गावस्कर ने संभाली। उनका कार्यकाल लंबा रहा। गावस्कर

ने 37 मैचों में कप्तानी की। गावस्कर के बाद एक मैच के लिए गुंडप्पा विश्वनाथ को कप्तान बनाया गया। वहीं विश्वकप 1983 को देखते हुए कपिल देव कप्तान बनाया गया। कपिल देव ने लंबे समय तक कप्तान संभाली। वर 74 मैचों में भारतीय टीम के कप्तान रहे और इस दौरान भारतीय टीम ने विश्वकप भी जीता। अगुवाई की और इस दौरान उन्होंने 1983 का वर्ल्ड कप भी जिताया। वहीं 1990 में मोहम्मद अजहरुद्दीन आये। अजहरुद्दीन ने 100 से ज्यादा एकदिवसीय मैचों में भारतीय टीम को कप्तानी की। उन्होंने कुल 175 मैचों में टीम का नेतृत्व किया। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी 72 मैचों में कप्तान रहे पर अधिक सफल नहीं हुए। साल 1999 में सौरव गांगुली ने कप्तानी संभालते ही टीम में बदलाव करते हुए उसे आक्रामक बना दिया। इससे विदेशी जमीन पर भी भारतीय टीम का खेलने में कप्तानी संभाली। सबसे बड़ा बदलाव महेन्द्र सिंह धोनी के आने के बाद बाद हुआ। कैप्टन कूल के नाम से लोकप्रिय हुए धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने सभी आईसीसी खिताब जीते।

सैफ की आक्रामक बल्लेबाजी से बांग्लादेश ने तीसरे टी20 में अफगानिस्तान को छह विकेट से हराया



शारजाह। सैफ हसन की आक्रामक पारी से बांग्लादेश ने शारजाह में अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 मैच को छह विकेट से जीतकर 3-0 से सीरीज अपने नाम कर ली है। इस मैच में सैफ ने सात छक्के लगाकर 38 गेंदों में ही नाबाद 64 रन बनाकर टीम को आसानी से लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 143 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले इस लक्ष्य को बांग्लादेश ने चार विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश को 24 रन पर ही पहला झटका लग गया था पर उसके बाद तंजीद हसन और सैफ हसन ने मिलकर पारी को संभाल लिया। दोनों ने स्कोर 79 रनों तक पहुंचाया। तंजीद 33 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं सैफ एक छोर पर जमे रहे। सैफ ने सात छक्के और दो चौके लगाकर 38 गेंदों पर नाबाद 64 रन बनाये। नुरुल हसन ने 17 वें ओवर में छक्का लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

फुटबॉल को किक मारकर 69वें राष्ट्रीय स्कूल खेलों का मुख्यमंत्री उमर ने किया उद्घाटन

श्रीनगर, 06 अक्टूबर (एजेंसियां) । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को श्रीनगर के टीआरसी फुटबॉल ग्राउंड में फुटबॉल को किक मारकर 69वें राष्ट्रीय स्कूल खेलों का आधिकारिक उद्घाटन किया। इस प्रकार राष्ट्रीय स्तर के इस खेल आयोजन की औपचारिक शुरुआत हुई। इस वर्ष के राष्ट्रीय स्कूल खेलों में देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाली 30 टीमों भाग ले रही हैं और छह अलग-अलग स्थानों पर मैच खेलें जायेंगे। इन प्रतियोगिताओं में फुटबॉल, वुशु, ताइकांडो और टेबल टेनिस की प्रतियोगिताएं शामिल हैं।



इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल देश के विभिन्न क्षेत्रों के युवाओं के बीच एकता, मित्रता और आपसी समझ को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल एकता और मित्रता के सेतु का निर्माण करते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को सरकार और आयोजकों की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि उनकी सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर आपमें से किसी को भी किसी भी तरह की असुविधा हो, चाहे गर्म कपड़ों की कमी हो या कोई अन्य आवश्यकता तो कृपया हमसे संपर्क करने में संकोच न करें। हम आपके प्रवास और भागीदारी को आरामदायक बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। मौसम की स्थिति में सुधार की आशा व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने युवा एथलीटों

को प्रतियोगिता और सौहार्द के अनुभव का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने खिलाड़ियों को यादगार पलों और टूर्नामेंट में सफलता की कामना करते हुए कहा कि जैसा कि कहा जाता है कि जीतना उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि भाग लेना। 30 प्रतिभागী टीमों के मार्च पारट को मुख्यमंत्री ने सराहना की और कार्यक्रम स्थल पर मौजूद स्कूली बच्चों और दर्शकों की एक बड़ी भीड़ ने तालियां बजाईं। खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और टीम अधिकारियों ने भी खेल भावना की शपथ ली और निष्पक्ष खेल, अनुशासन और टीम वर्क के मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया। उद्घाटन समारोह में युवा सेवा एवं खेल मंत्री सतीश शर्मा, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर अमलम वानी, लाल चौक के विधायक शेख अहसान अहमद (परदेसी), युवा सेवा एवं खेल महानिदेशक अनुराधा गुप्ता, जम्मू-कश्मीर खेल परिषद की सचिव नुजहत गुल और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं अधिकारी उपस्थित थे।

कल से 5 नवंबर तक चलेगा कार्तिक मास

कार्तिक मास में तुलसी और आंवले की पूजा से बढ़ती है समृद्धि

इस साल कार्तिक का महीना 8 अक्टूबर से शुरू हो रहा है और 5 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के साथ समाप्त होगा। पुराणों में इस महीने को बहुत खास बताया गया है। हिन्दी पंचांग का आठवां महीना कार्तिक तीज-त्योहार के लिहाज से बहुत खास है। इस महीने में धन तेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज, छठ पूजा, देवउठनी एकादशी जैसे बड़े तीज-त्योहार रहते हैं। ये माह 5 नवंबर तक रहेगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि कार्तिक मास में गणेश जी, विष्णु-लक्ष्मी, धनवंतरी, गोवर्धन पर्वत, छठ माता, सूर्य देव के साथ ही कार्तिकेय स्वामी की भी पूजा जरूर करनी चाहिए। कार्तिक मास सेहत के लिए बहुत ही खास माना गया है। इस महीने में शरद ऋतु शुरू होती है। दो बदलते मौसम के बीच का समय होने से इन दिनों सेहत संबंधी परेशानी भी होने लगती है। इसलिए कार्तिक मास में पूरा डेली रूटीन बदलने की बात ग्रंथों में कही गई है। इनमें खाने-पीने और सोने से जुड़े जरूरी नियम कहे गए हैं। जिनको अपनाने से सेहत अच्छी रहती है और उम्र भी बढ़ती है। मास में रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए। इन दिनों में नदी स्नान की परंपरा है। काफी लोग नदी में दीपदान भी करते हैं। कार्तिक महीने का नाम कार्तिकेय स्वामी के नाम पर पड़ा है। इसके बारे में भगवान नारायण ने ब्रह्मा को, ब्रह्मा ने नारद जी को और उन्होंने महाराज पृथु को कार्तिक मास के बारे में बताया है। इस पवित्र महीने में 7 नियम प्रधान माने गए हैं, जिन्हें करने से शुभ फल मिलते हैं और हर मनोकामना पूरी हो सकती है।

दीपदान से कभी न खत्म होने वाला पुण्य

कार्तिक मास में सबसे खास काम दीपदान करना होता है। इस महीने में मंदिर, तुलसी, आंवले का पेड़, नदी, पोखर, कुएं, बावड़ी और तालाब के किनारे दीपदान किया जाता है। इससे कभी न खत्म होने वाला पुण्य मिलता है।

खान-पान दें ध्यान

अभी ठंड शुरू हो जाएगी। इन दिनों में खान-पान में ऐसी चीजें शामिल करें, जो शरीर को ठंड से लड़ने की ताकत देती है। गर्म केसर वाला दूध पीएं। मौसमी फल खाएं। साथ ही, इस महीने में पहनावे पर ध्यान देना चाहिए। ऐसे कपड़े पहनें, जिनसे शरीर पर बाहरी ठंड का जरूरत से अधिक असर न हो, वर्ना सर्दी-जुकाम जैसी मौसमी बीमारी हो सकती है। पुराणों में ये भी जिज्ञा है कि कार्तिक मास में जमीन पर सोना चाहिए। ऐसा करने से आलस्य और शारीरिक परेशानियां दूर होती हैं। साथ ही इन दिनों में फलियां और दालें नहीं खानी चाहिए। तेल मांशिश भी नहीं करना चाहिए। इन सब बातों का ध्यान रखने से सेहत अच्छी रहती है और उम्र बढ़ती है। कार्तिक महीने में भगवान विष्णु और सूर्य की पूजा करने से बीमारियां दूर रहती हैं। उम्र भी बढ़ती है। इस पवित्र महीने में सूर्योदय से पहले उठकर तीर्थ या पवित्र नदियों के पानी में नहाना चाहिए। ऐसा न कर पाएं तो घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर नहाने से तीर्थ स्नान का पुण्य मिल जाता है। इस तरह नहाने से बीमारियां तो दूर होती हैं, जाने-



अनजाने में हुए हर तरह के पाप भी खत्म हो जाते हैं।

प्रकट हुए थे औषधियों के देवता



डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवाता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

की परंपरा है। इसकी शुरुआत शरद पूर्णिमा से होती है। इसी वजह से कार्तिक माह में देशभर की सभी पवित्र नदियों में स्नान के लिए काफी लोग पहुंचते हैं। स्नान के बाद सूर्य को अर्घ्य अर्पित करें। स्नान घाट पर ही जरूरतमंद लोगों को दान-पुण्य करें।

जप और ध्यान के लिए कार्तिक मास

रोज सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाएं। घर के मंदिर में इष्टदेव के मंत्रों का जप करें। जप करते हुए ध्यान करें। जिन लोगों का मन अशांत रहता है, उन लोगों को कार्तिक मास में जप और ध्यान जरूर करना चाहिए। ये समय जप और ध्यान के लिए वरदान की तरह है। इन दिनों में मौसम ऐसा रहता है, जिससे मन जल्दी एकाग्र हो जाता है और जप-ध्यान करने से अशांति दूर हो जाती है।

ध्यान करने के लिए किसी शांत और पवित्र स्थान का चयन करना चाहिए। इस माह में किया गया पूजा-पाठ साधक को पापों से मुक्ति प्रदान करता है। कार्तिक महीने में किसी पवित्र नदी में ब्रह्ममुहूर्त में स्नान करना शुभफलदायक होता है। यह स्नान अविवाहित या विवाहित महिलाएं समान रूप से कर सकती हैं। अगर आप पवित्र नदी तक जाने में असमर्थ हैं, तो घर पर स्नान के जल में गंगा जल मिलाकर भी स्नान किया जा सकता है। कार्तिक मास में भगवान विष्णु के शालग्राम रूप की पूजा करने से महापुण्य मिलता है। इस महीने में तुलसी और आंवले के पेड़ की पूजा भी करने की परंपरा है। ऐसा करने से सुख-

संयम से बढ़ती है इच्छा शक्ति

कार्तिक मास के दौरान कम बोलना चाहिए। मन पर संयम रखें। किसी की बुराई न करें और विवादों से भी बचें। इन दिनों में ब्रह्मचर्य के नियम मानने चाहिए। ऐसा करने से इच्छा शक्ति मजबूत होती है और अंदरूनी ताकत बढ़ती है। कार्तिक महीने में सूर्योदय से पहले उठकर खाली पेट पानी के साथ तुलसी के कुछ पत्ते निगल लिए जाएं तो पूरे साल बीमारियों से बच सकते हैं। इन दिनों पित्त बहुत बढ़ता है। इसलिए कार्तिक महीने के दौरान बैंगन, मट्ठा, करेला, फलियां और दालें नहीं खानी चाहिए। इनके अलावा जमीकंद यानी मूली, गाजर, गराड़, शकरकंद और अन्य तरह के कंद मूल खाना सेहत के लिए अच्छा रहता है।

नदी स्नान करने की है परंपरा

कार्तिक महीने में पवित्र नदियों में स्नान और दीप दान करने

गुरु-चंद्रमा बना रहे गजकेसरी राजयोग, कर्क मीन सहित अन्य राशियों को होगा धन लाभ

आज यानी 7 अक्टूबर 2025, मंगलवार को गुरु और चंद्रमा की युति से गजकेसरी योग का निर्माण हो रहा है। गजकेसरी राजयोग के शुभ प्रभाव से व्यक्ति को धन, संपत्ति और मान-सम्मान प्राप्त होता है। यह योग कर्क, वृश्चिक और मीन राशियों के लिए विशेष लाभदायक रहता है। कर्क राशि के जातकों का पारिवारिक माहौल पक्ष में रहेगा और आर्थिक मामलों में स्थिरता देखने को मिलेगी। जबकि वृश्चिक वालों को इस दौरान मुनाफे के अवसर प्राप्त होंगे। वहीं, मीन राशि वालों के अटके हुए काम पूरे होंगे।

मेघ : काम प्रभावित हो सकता है

मेघ राशि के जातकों के लिए यह परीक्षा का समय चल रहा है। इसलिए आपको अपने कार्यों पर विशेष ध्यान देने का आज जरूरत है। दिन भर आलस का माहौल बना रह सकता है, जिससे काम प्रभावित हो सकता है। किसी छोटी-मोटी परेशानी की वजह से आपका मूड बिगाड़ सकता है। शाम के समय घर के सदस्यों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। अनावश्यक विवादों से खुद को दूर रखने की कोशिश करें और अपने गुस्से पर कंट्रोल रखें।

वृष : कुछ अच्छी खबरें मिल सकती हैं

आज के दिन वृष राशि के जातक अपने काम में काफी व्यस्त रह सकते हैं। कामकाज में व्यस्तता के बावजूद शाम तक कुछ अच्छी खबरें मिल सकती हैं। प्रोफेशनल मामलों में थोड़ी सावधानी बरतने की कोशिश करें। इससे भविष्य में होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। इन्वेस्टमेंट के क्षेत्र में आज फायदा होता दिख रहा है। ऑफिस में मेहनत का फल मिलने की संभावना है। आर्थिक दृष्टि से दिन शुभ रहेगा और पुराने कार्यों से लाभ की स्थिति बनेगी।

मिथुन : मेहनत का फल मिलेगा

मिथुन राशि के जातकों का आज का दिन उत्साह और रोमांच से भरा रहने वाला है। दोपहर तक कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है। विद्यार्थियों के लिए यह समय ध्यान केंद्रित करने का है। मेहनत का फल मिलता हुआ दिख रहा है। व्यापारियों के लिए अपने व्यापार में नई तकनीक अपनाना लाभदायक साबित होगा। नए प्रोजेक्ट की शुरुआत के लिए भी दिन शुभ है।

कर्क : आर्थिक मामलों में स्थिरता रहेगी

आज का दिन कर्क राशि के जातकों के लिए खास साबित हो सकता है। आज आपके लिए बेहतर होगा कि किसी एक ही प्रोजेक्ट पर मन लगाकर काम करें। जोखिम वाले कामों से आज के दिन दूरी बनाकर रखें। परिवार का



माहौल आपके पक्ष में रहेगा और आपके विरोधी आज शांत रहेंगे। आर्थिक मामलों में स्थिरता बनी रहेगी। किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से लाभ मिल सकता है।

सिंह : करियर में प्रगति के संकेत

सिंह राशि वालों का दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। किसी नए प्रोजेक्ट या आइडिया पर काम करना आपके लिए लाभकारी साबित होगा। रिश्तेदारों से साथ लंबे समय से चल रहे मतभेद को खत्म करने का ये सही समय है। दोस्तों के साथ समय गुजारने से आपको लाभ हो सकता है। वहीं, परिवार में कुछ मतभेद भी उभरते दिख रहे हैं। ऐसे में आपको धैर्य से काम लेने की जरूरत है। करियर के क्षेत्र में प्रगति के संकेत हैं।

कन्या : पुरानी परेशानियां कम होंगी

आज कन्या राशि के लोगों का दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। दिल की बजाय आज आपको अपने दिमाग से काम लेने की जरूरत है। सोच समझकर लिए गए फैसले आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। आपके जीवन में चल रही पुरानी परेशानियां धीरे-धीरे कम होंगी। दूसरों की मदद करने से आपको लाभ हो सकता है। आज ईमानदारी से किया गया हर काम फलदायी साबित होगा। कोई नया अवसर आपके दरवाजे पर दस्तक दे सकता है। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों से सहयोग मिलेगा।

तुला : सेहत के प्रति लापरवाही न करें

तुला राशि के जातकों को आज दिन की शुरुआत में ही कोई शुभ समाचार मिल सकता है। ऑफिस में टीम के सहयोग से कार्यों में तेजी आएगी। हालांकि, व्यापार और लेनदेन के मामलों में आपको सतर्क रहना होगा। सेहत के प्रति लापरवाही न करें। प्रेम संबंधों के लिए दिन शुभ रहेगा और जीवनसाथी के साथ रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेंगी। आज के दिन आपके खर्चों में वृद्धि की संभावना है।

वृश्चिक : मेहनत का उचित परिणाम मिलेगा

आज का दिन वृश्चिक राशि वालों का मेहनत और उपलब्धियों से भरा रहने वाला। सुबह के समय काम का दबाव झेलना पड़ सकता है। हालांकि, देर शाम तक मुनाफे के अवसर भी आपको प्राप्त होंगे। सामाजिक आयोजनों में भी शामिल होने का मौका मिल सकता है। किसी पार्टी या समारोह में प्रभावशाली लोगों से मुलाकात आपके लिए फायदेमंद रहेगी। आपके पुराने कार्यों से भी राहत मिल सकती है। मेहनत का उचित परिणाम मिलेगा।

धनु : छोटे विवाद बड़े रूप ले सकते हैं

धनु राशि के जातकों का आज का दिन आपके लिए बेहद शुभ रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं। ऑफिस में अनावश्यक बहस से दूर रहने में ही आपकी भलाई है। कार्यक्षेत्र में छोटे विवाद बड़े रूप ले सकते हैं। आपकी कई इच्छाएं आज पूरी हो सकती हैं। आज के दिन किसी किसी प्रकार की जीत मिलने की संभावना है। फाइनेंस संबंधी मामलों में अनुभवी लोगों की सलाह लाभ का कारण बनेगी।

मकर : व्यवहार पर नियंत्रण रखें

आज मकर राशि के जातकों को थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। आपको अपने व्यवहार पर नियंत्रण रखना होगा। छोटी सी बात पर विवाद खड़ा हो सकता है। आज के दिन आपके कामकाज में स्थिति मजबूत रहेगी और व्यापार में लाभ की संभावना है। विवाह या प्रेम संबंधों में सामंजस्य बढ़ेगा। आज कई काम एक साथ पूरे करने का मौका मिलेगा। सामाजिक क्षेत्र में आपकी छवि मजबूत होगी और आर्थिक मामलों में स्थिरता देखने को मिलेगी।

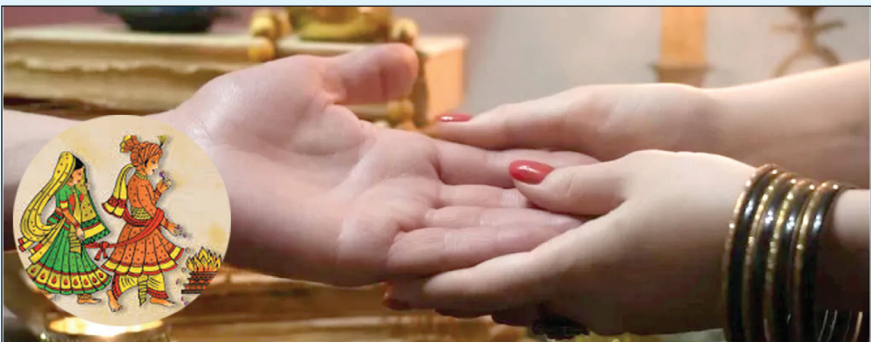
कुंभ : सामाजिक संबंध मजबूत होंगे

आज के दिन टीमवर्क से जुड़े कामों को करने से आपको सफलता मिलेगी। ऑफिस में साथियों के सहयोग से काम समय पर पूरे होंगे। बातचीत से कोई नया व्यावसायिक विचार सामने आ सकता है। इस दौरान सामाजिक संबंध मजबूत होंगे। दोस्तों के लिए गिफ्ट खरीदते समय बजट का ध्यान रखें। किसी यात्रा पर जाने का अवसर प्राप्त होगा।

मीन : पुराने काम धीरे-धीरे पूरे होंगे

मीन राशि के जातकों का आज का दिन धीमी गति से आगे बढ़ेगा। धैर्य और निरंतर प्रयास से आपको सफलता मिलेगी। लंबे समय से अटके कुछ पुराने काम अब धीरे-धीरे पूरे होंगे। आज के दिन आपको अपने खर्चों पर कंट्रोल करना होगा। घर पर परिवार के साथ समय बिताना आपके लिए बेहतर रहेगा।

विवाह रेखा आपकी शादी के बारे में खोलती है ये बड़े राज



ज्योतिषशास्त्र के प्रकार ही हस्तरेखा शास्त्र का भी बेहद खास महत्व होता है। इसमें मनुष्य की हाथ की रेखाओं और पर्वतों को देखकर उसके स्वभाव, जीवन व भविष्य के बारे में जाना जाता है। हस्तरेखा शास्त्र में हृदय रेखा, भाग्य रेखा, जीवन रेखा आदि का वर्णन मिलता है। इन्हीं में से एक है विवाह रेखा जिसे देखकर आप अपनी शादी के बारे में कई बड़ी बातें जान सकते हैं। यह रेखा हथेली में छोटी उंगली के नीचे और हृदय रेखा के ऊपर मौजूद होती है। इससे शादी के बारे में मनुष्य को कई छोटे-बड़े संकेत मिल सकते हैं।

लंबी और सीधी विवाह रेखा का रहस्य

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, हथेली पर एक लंबी और सीधी विवाह रेखा के मौजूद होने का अर्थ होता है कि विवाह के बाद आपके रिश्ते में तालमेल बना रह सकता है। विवाह रेखा का गहरा होना इस बात का संकेत होता है कि आपका वैवाहिक जीवन खुशहाली और प्रेम से भरपूर रहेगा। साथ ही, आपको भरोसेमंद और सहयोगी जीवनसाथी मिलेगा। शादी के बाद आप दोनों ही रिश्ते को हमेशा अटूट और मजबूत बनाए रखने के लिए प्रयास करते हैं। साथ ही, हर चुनौती का एक साथ सामना कर सकते हैं।

ऐसी विवाह रेखा वाले शादी को लेकर रहते हैं सतर्क

माना जाता है कि जिन लोगों के हाथ पर विवाह रेखा ज्यादा लंबी नहीं होती है वे अपनी शादी और रिश्तों को लेकर सोच-समझकर फैसला लेना पसंद करते हैं। ऐसे लोग काफी संयमित और सतर्क रहते हैं। इन्हें अपने रिश्तों और विवाह में फैसले जल्दबाजी में लेना पसंद नहीं होता है। छोटी विवाह रेखा यह भी संकेत देती है कि आपके लाइफ में रोमांस और सहानुभूति की भावना थोड़ी कम हो सकती है।

ऐसी लाइन होने पर शादी होती है सफल

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अगर हथेली पर केवल एक विवाह रेखा गहरी बनी हुई हो, तो यह

समृद्धि और आरोग्य मिलता है।

जरूर करें दान-पुण्य

इस महीने से शीत ऋतु शुरू हो रही है। ऐसे में जरूरतमंद लोगों को कंबल और ऊनी वस्त्रों का दान जरूर करें। कार्तिक मास में जरूरतमंद लोगों को धन, अनाज, कपड़े, ऊनी कपड़े का दान करें। किसी गौशाला में गायों की देखभाल करें। गायों के लिए धन का दान करें। इस महीने तुलसी, अन्न, गाय और आंवले का पौधा दान करने का विशेष महत्व होता है। जो देवालय में, नदी के किनारे, सड़क पर या जहां सोते हैं वहां पर दीपदान करता है उसे सर्वतोमुखी लक्ष्मी की प्राप्ति होती है। यानी हर तरफ से लक्ष्मी की कृपा मिलती है। जो मंदिर में दीप जलाता है उसे विष्णु लोक में जगह मिलती है। जो दुर्गम जगह दीप दान करता है वह कभी नरक में नहीं जाता, ऐसी मान्यता है। इस महीने में केले के फल का तथा कंबल का दान अत्यंत श्रेष्ठ है। सुबह जल्दी भगवान विष्णु की पूजा और रात्रि में आकाश दीप का दान करना चाहिए।

कार्तिक मास में हुआ था तारकासुर वध

पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक इस महीने में शिव पुत्र कार्तिकेय ने दैत्य तारकासुर का वध किया था। कथा के अनुसार तारकासुर, वज्रांग दैत्य का पुत्र और असुरों का राजा था। देवताओं को जीतने के लिए उसने शिवजी की तपस्या की। उसने असुरों पर आधिपत्य और खुद के शिवपुत्र के अलावा अन्य किसी से न मारे जा सकने का महादेव का वरदान मांगा था। देवताओं ने ब्रह्मा जी को बताया कि तारकासुर का अंत शिव पुत्र से ही होगा। देवताओं ने शिव-पार्वती का विवाह करवाया और उनसे कार्तिकेय (स्कंद) की उत्पत्ति हुई। स्कंद को देवताओं ने अपना सेनापति बनाया और लड़ाई में तारकासुर मारा हुआ। स्कंद पुराण के अनुसार शिव पुत्र कार्तिकेय का पालन कृतिकाओं ने किया इसलिए उनका कार्तिकेय नाम पड़ गया।

- 10 अक्टूबर 2025- करवा चौथ
- 13 अक्टूबर 2025 - अहोई अष्टमी
- 17 अक्टूबर 2025 - रमा एकादशी/गोवत्स द्वादशी
- 18 अक्टूबर 2025 - धनतेरस/यम प्रीत्यर्थ दीपदान
- 19 अक्टूबर 2025-हनुमान जयंती
- 20 अक्टूबर 2025 - नरक चतुर्दशी
- 20 अक्टूबर 2025- दीपावली
- 21 अक्टूबर 2025- कार्तिक अमावस्या
- 22 अक्टूबर 2025 - अन्नकूट व गोवर्धन पूजा
- 23 अक्टूबर 2025 - भाई दूज (यम द्वितीया)
- 27 अक्टूबर 2025 - छठ महापर्व
- 31 अक्टूबर 2025 - अक्षय कृष्णान्त नवमी
- 1 नवंबर 2025 - देवउठनी एकादशी
- 5 नवंबर 2025 - कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली



रश्मिका मंदाना की राह पर कृति शेड्डी

कृति शेड्डी साउथ इंडिया सिनेमा में बहुत कम समय में तेजी से एक नया नाम बनकर उभर रही हैं, जिस पर ध्यान देना ज़रूरी है। अपनी बेहतरीन स्क्रीन प्रेज़ेंस, स्वाभाविक आकर्षण और उपेक्षा, श्याम सिंघा राय, बंगाराजु और द वॉरियर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपने बहुमुखी अभिनय के साथ, उन्होंने दर्शकों और फिल्म निर्माताओं, दोनों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। जिस तरह एक समय में रश्मिका मंदाना ने पूरे देश में लोकप्रियता हासिल की थी, उसी तरह कृति भी अपनी शानदार अभिनय क्षमता और सादगी भरी मौजूदगी से उसी दिशा में आगे बढ़ती दिख रही हैं। जो उन्हें अपनी पीढ़ी के सबसे होनहार चेहरों में से एक बनाता है। काफी कम समय में, कृति ने प्रभावशाली भूमिकाओं का एक ऐसा संग्रह तैयार किया है। जिन किरदारों को कृति ने निभाया है, वे दिखाते हैं कि वह अलग-अलग जानर में – चाहे रोमांस हो या गंभीर ड्रामा – उनमें खुद को ढालने में

पूरी तरह सक्षम हैं। उनके अभिनय में भावनात्मक जुड़ाव और कैमरे के सामने सहजता, उन्हें अपने समकालीन कलाकारों की तुलना में अलग पहचान दिलाती हैं। अपनी उम्र से कहीं ज़्यादा आत्मविश्वास और परिपक्वता दिखाने वाली कृति की यही खूबियाँ उन्हें उस इंडस्ट्री में अलग बनाती हैं जो हमेशा नई टैलेंट की तलाश में रहती है। कृति शेड्डी की पहचान सिर्फ एक मौजूदा लोकप्रिय कलाकार के रूप में नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद और टिकाऊ स्टार के रूप में बन रही है। वे अपने करियर में ऐसे किरदार और कहानियाँ चुन रही हैं जो न केवल उन्हें अभिनय का पूरा अवसर देते हैं, बल्कि व्यापक दर्शकों से जुड़ने का मौका भी। यह युवा अभिनेत्री, तेजी से बढ़ता फैशन-बेस और कई भाषाओं की फिल्मों में उनकी मौजूदगी यह संकेत देती है कि कृति आने वाले समय में पैन इंडिया सुपरस्टार की श्रेणी में शामिल होने की राह पर हैं, और तेजी से दक्षिण सिनेमा की अगली बड़ी हस्ती बनती जा रही हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने मानवता की सेवा में लगे लोगों से मिलकर जताई खुशी, कहा

आप लोग सच्ची प्रेरणा हैं

बॉ लीवुड और हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में एक विशेष आयोजन में हिस्सा लिया, जिसकी झलक उन्होंने अपने प्रशंसकों के साथ सोशल मीडिया पर साझा की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर इस खास पल की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। इन तस्वीरों में वह अपने पति और आयोजन में मौजूद लोगों के साथ नजर आ रही हैं। प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, इस आयोजन में मुझे प्राथम्यता के साथ काम करने वाले उन अद्भुत लोगों से मिलने का मौका मिला, जो मानवता की सेवा में लगे हैं। इस अनुभव ने मेरे दिल को सुकून दिया। अभिनेत्री ने आयोजन की मेजबानी करने वाली रुकमणी और उनकी टीम की तारीफ करते हुए लिखा, आप लोग सच्ची प्रेरणा हैं। एक ऐसी दुनिया में, जहां हर दिन नई चुनौतियां आती हैं, आप जैसे लोग जो उम्मीद और मानवता पर भरोसा रखते हैं, हमें बेहतर करने की प्रेरणा देते हैं।

प्रियंका ने सभी से हर दिन बेहतर करने की अपील की। तस्वीरों में प्रियंका आयोजन की चमक-दमक और गर्मजोशी के बीच बेहद खूबसूरत अंदाज में दिख रही हैं। इसी के साथ ही अभिनेत्री ने एक मजेदार वीडियो क्लिप शेयर किया, जिसमें निक जोनस उनके बाल खोलने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं, जबकि प्रियंका इस पल को रिकॉर्ड करते



हुए हंस रही हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रियंका को हॉलीवुड एक्शन-कॉमेडी 'हेड्स ऑफ स्टेट' में देखा गया था। फिल्म अमेजन प्राइम पर मौजूद है। एक्ट्रेस एक साथ कई फिल्मों की शूटिंग कर रही है, जो हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों हैं। एक्ट्रेस

'सिटोडेल-2', 'द ब्लफ', 'जजमेंट डे', और 'एसएसएमबी 29' में सुपरस्टार महेश बाबू के साथ फिल्म में स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी, और उम्मीदें जताई जा रही हैं कि प्रियंका 'कृष 4' में भी दिख सकती हैं।

गुरु रंधावा का नया गाना 'पैन इंडिया' रिलीज, 'पार्टी एंथम' ने मचाई धूम

म शहर पंजाबी सिंगर और रैपर गुरु रंधावा का गाना 'पैन इंडिया' सोमवार को रिलीज हो गया है। इस बात की जानकारी खुद सिंगर ने एक पोस्ट के जरिए दी। गुरु ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने का एक क्लिप शेयर कर फैस को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'पैन इंडिया' रिलीज हो गया है और इस बार पहले कहीं ज़्यादा धमाल मचाने आया है जैसे कभी नहीं लगा। गाने को सीधा स्ट्रीम करें। हम पूरी इंडस्ट्री में धमाल मचाने आए हैं। आहसी ने बहुत बढ़िया काम किया है। टी-सीरीज के

बैनर तले रिलीज हुआ यह गाना गुरु रंधावा की आवाज और गुरजीत गिल के बोल का शानदार मेल है। गाने की कोरियोग्राफी यश कदम ने की है, जिसने इस ट्रैक को और भी आकर्षक बना दिया।

'पैन इंडिया' का म्यूजिक, लिрикस और विजुअल्स का मिश्रण इसे एक परफेक्ट पार्टी एंथम बनाता है, जो न सिर्फ पंजाबी म्यूजिक प्रेमियों, बल्कि पूरे देश के संगीत फैस को झूमने पर मजबूर कर देगा। गाने में आहसी नाम की डांसर के सिजलिंग डांस मूव्स और स्टाइलिश अंदाज ने सबका ध्यान खींचा है।

उनके शानदार डांस स्टेप्स गाने को एक नए स्तर पर ले गए हैं। दूसरी ओर, गुरु रंधावा अपने चिर-परिचित स्टाइलिश लुक में नजर आए, जो फैस को खूब भा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि गाने में गुरु के साथ डांसर आहसी की पहचान छिपाई गई है। वहीं, इंस्टाग्राम पर भी उसका नाम बस अहसी है। डांस वीडियो में भी उन्होंने चेहरे पर मास्क पहना हुआ है, जिसने फैस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। सोशल मीडिया पर फैस गाने की तारीफ के साथ-साथ इस डांसर की पहचान जानने के लिए भी बेताब हैं।

शनाया कपूर ने नहीं ली खुशी के साथ सेल्फी में दिलचस्पी

अभिनेत्री खुशी कपूर ने बताई मजेदार वजह



बॉ लीवुड अभिनेत्री खुशी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक फोटो शेयर की है। इसमें वह अभिनेत्री शनाया कपूर के साथ सेल्फी लेती दिख रही हैं, लेकिन मजेदार बात यह है कि शनाया इस फोटो में कोई दिलचस्पी लेती दिखाई नहीं दी, इसलिए यह फोटो खराब हो गई। खुशी कपूर ने इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा करके बताया कि उनकी सबसे करीबी दोस्त शनाया कपूर ने ऐसा क्यों किया। इस मजेदार बातचीत की शुरुआत शनाया कपूर के इंस्टाग्राम पोस्ट से हुई। शनाया ने इंस्टाग्राम पर एक समारोह की तीन तस्वीरें शेयर कीं। पहली दो तस्वीरों में शनाया अपनी मां

महीप कपूर और भाई जहान कपूर के साथ पोज देती नजर आ रही हैं।

आखिरी तस्वीर में शनाया कैमरे से नज़रें हटाते दिखाई दीं, जबकि खुशी उनके बगल में एक परफेक्ट पोज देते हुए मुस्कुरा रही हैं।

इस तस्वीर पर कमेंट करते हुए खुशी कपूर ने बताया कि क्यों शनाया कपूर ने सेल्फी खराब कर दी। उन्होंने लिखा, तुम्हें मेरे साथ फोटो खिंचवाने से अधिक अपना डोसा खाने में दिलचस्पी है।

इस फोटो को खुशी कपूर ने अपनी इंस्टा स्टोरी में भी शेयर किया है। दोनों बहुत अच्छी दोस्त हैं। अक्सर उन्हें कई पार्टीज में साथ हैंगआउट करते स्पॉट किया गया है।

फिल्मों की बात करें तो शनाया कपूर बहुत जल्द फिल्म 'तू या मै' में अभिनेता आदर्श गौरव के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन बिजॉय नांबियार कर रहे हैं। यह एक रोमांस और सर्वाइवल थ्रिलर मूवी है। इस फिल्म को आनंद एल. राय, हिमांशु शर्मा, विनोद भानुशाली और कमलेश भानुशाली प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म 2026 के वॉलेंटेंटाइन डे पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म का टीजर कुछ समय पहले मेकर्स ने शेयर करते हुए इस बात की जानकारी लोगों के साथ साझा की थी। फिल्म में गौरव और शनाया सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के रोल में दिखाई देंगी। इसके अलावा, उनके पास 'मुंज्या' फेम अभय वर्मा की एक फिल्म भी है। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी, फिल्म का टाइटल

और रिलीज डेट अभी तय नहीं हुई है।

शनाया कपूर को पिछली बार फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' में देखा गया था। इसमें विक्रान्त मैसी भी उनके साथ थे।

वहीं खुशी कपूर को पिछली बार फिल्म 'नादानियां' में देखा गया था। इसमें इब्राहिम अली खान, महिमा चौधरी, सुनील शेड्डी, दीया मिर्जा और जुगल हंसराज जैसे सितारे थे।

मेरे लिए फैशन वह है जो आरामदायक हो : दिव्यांका त्रिपाठी

मुं बई में इन दिनों बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक 2025 चल रहा है। इसमें बॉलीवुड और टीवी की कई मशहूर हस्तियों ने हिस्सा लिया। यहां लोकप्रिय अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी दहिया भी दिखाई दीं। उन्होंने एक विशेष बातचीत में फैशन और ब्रांड्स पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए फैशन का क्या मतलब है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह ब्रैंड के प्रति ज़्यादा लगाव रखती हैं, तो दिव्यांका ने कहा, 'नहीं, मैं ब्रैंड पर ज़्यादा ध्यान नहीं देती। मैं अपनी पसंद की चीज़ें लेना पसंद करती हूँ, चाहे उनका ब्रांड कुछ भी हो। अगर वह मुझे पसंद आती है, तो वह अधिक महत्वपूर्ण है। जो मुझे सूट करता है और जो मुझे पसंद है, मैं वही चुनती हूँ, चाहे उसका ब्रांड कुछ भी हो।

उनके लिए फैशन के क्या मायने हैं, इस बारे में आगे बात करते हुए दिव्यांका ने बताया, मेरे लिए फैशन वह सब कुछ है जो आरामदायक हो। हाँ, यह आंखों को भाने वाला होना चाहिए, लेकिन सबसे ज़रूरी बात यह है कि यह मेरे लिए आरामदायक होना चाहिए। जो भी चीज आरामदायक होने के साथ-साथ आकर्षक भी हो, वह फैशन है, चाहे

वह सादा हो या शानदार।

दिव्यांका त्रिपाठी अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों में भारतीय परिधानों में दिखाई देती हैं। उनके फैशन सेंस का लोग जमकर तारीफ करते हैं। वह पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह के परिधानों को अच्छी तरह से कैरी करती दिखाई देती हैं।

दिव्यांका को टीवी सीरियल 'बनू मैं तेरी दुल्हन' से प्रसिद्धि मिली। इसके बाद वो सीरियल 'ये है मोहब्बतें' में डॉ. इशिता भल्ला की भूमिका निभाकर लोगों के दिलों में बस गईं। यह भारतीय टीवी सीरियल्स के लोकप्रिय पात्रों में से एक है। फैस उन्हें प्यार से 'इशिता' भी कहते हैं, जो शो में उनकी ऑनस्क्रीन बेटी उन्हें कहकर बुलाती है।

दिव्यांका ने 2016 में अभिनेता विवेक दहिया से शादी की। यह कपल अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैस को फिटनेस और कपल गोल्स की प्रेरणा देता दिखाई देता है। यह कपल टीवी जगत की पसंदीदा जोड़ियों में से एक है।

यूट्यूबर मणि मेराज लव जिहाद के आरोप में गिरफ्तार, को-एक्ट्रेस ने लगाए थे गंभीर आरोप

पटना (एजेंसियां)।

मशहूर यूट्यूबर और कॉमेडियन मणि मेराज और उनकी टीम के सदस्य सैफुल अंसारी को यूपी पुलिस ने 'लव जिहाद' और दुष्कर्म के आरोपों में पटना के अनीसाबाद से गिरफ्तार किया है। मणि मिराज की गिरफ्तारी अनीसाबाद स्थित अपने दोस्त के फ्लैट से निकलते हुए की गई है। वह उस समय साहेबगंज जाने के लिए निकल रहे थे, तभी उत्तर प्रदेश की पुलिस ने उन्हें घेर लिया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उत्तर प्रदेश की पुलिस उन्हें पटना कोर्ट से ट्रॉजिट रिमांड पर लेकर उत्तर प्रदेश ले गई।

मणि मेराज मूल रूप से मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज प्रखंड के रहने वाले हैं। वह यूट्यूबर पर अपनी शॉर्ट कॉमेडी



के कारण काफी मशहूर हुए थे। हाल ही में उन्होंने अपनी को-एक्ट्रेस के साथ एक भोजपुरी फिल्म भी बनाई थी। मेराज इन दिनों अपनी को-एक्ट्रेस के साथ चल रहे विवादों को लेकर चर्चा में थे। को-एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर उन पर कई गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके बाद यह मामला और भी तूल पकड़ चुका था। इस संबंध में

पुलिस का कहना है कि मणि मेराज को यूपी के खोड़ा थाना क्षेत्र की रहने वाली एक युवती की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। युवती ने यूट्यूबर मणि मेराज पर दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए खोड़ा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। घटना के संबंध में पीड़िता का आरोप है कि मनिमेराज पहले से

शदी-शुदा है और उसने मुझसे शादीशुदा होने की बात छिपाई। युवती का आरोप है कि करीब ढाई साल पहले यूट्यूबर मनिमेराज ने खुद को अविवाहित बताकर उससे दोस्ती की। फिर एक दिन कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर मेराज ने उसे बेहोश कर दिया और फिर बेहोशी की हालत में उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। होश आने पर लड़की को जब इस बात का एहसास हुआ तब उसने इस बात का विरोध किया। विरोध करने पर मेराज ने उसे शादी का झांसा देकर उसे चुप करा दिया था।

फिर मेराज युवती को अपने घर ले गए और शूदी भी कर ली, लेकिन इस शादी को छिपाकर रखने को कहा। इस दौरान वह लगातार उसका शारीरिक शोषण

करता रहा। युवती ने यह भी लगाया कि इस दौरान वह गर्भवती हो गई, जिसका मेराज ने गर्भपात करा दिया। इतना ही नहीं युवती ने यह भी आरोप लगाया कि मेराज उसे धर्म परिवर्तन करने और गोमांस खाने तक का दबाव बनाया। इस दौरान मेराज ने उससे लाखों रुपये हड़प लिए। कुछ दिन के बाद युवती को पता चला कि मेराज पहले से शादीशुदा हैं और उनके दो बच्चे भी हैं। इतना ही नहीं मेराज के कई अन्य लड़कियाँ से भी संबंध हैं। जब युवती ने इस बात का विरोध किया तब विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट की, फिर उसके परिवारवालों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस अब इसी मामले में मणि मेराज से गहन पूछताछ कर रही है।

पटना (एजेंसियां)।

आरा शहर के वार्ड नंबर 33 वलीगंज मोहल्ले में जलजमाव की गंभीर समस्या को लेकर सोमवार को स्थानीय लोगों ने सड़क पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया। मोहल्ले की गलियों में कई दिनों से पानी भरा हुआ है, जिससे लोगों को आने-जाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी परेशानी से तंग आकर लोगों ने बड़ी चौक से धरहरा मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बरसात के बाद से अब तक निकासी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। गली मोहल्लों में गंदा पानी जमा होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है और बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। लोगों ने आरोप लगाया



कि नगर निगम के अधिकारी बार-बार शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। रोड जाम के दौरान आक्रोशित लोगों ने जगह-जगह टायर जलाकर आगजनी भी की, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वहीं जाम के कारण बड़ी चौक से धरहरा मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और

यातायात पूरी तरह ठप हो गया। शब्बीर अली ने स्पष्ट कहा कि जब तक जिलाधिकारी मौके पर आकर उनकी समस्या नहीं सुनेंगे और जल्द पानी निकासी का ठोस आश्वासन नहीं देंगे, तब तक वे जाम नहीं हटाएंगे। मौके पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल को तैनात किया गया है ताकि स्थिति नियंत्रण में रखी जा सके।

सकरा में सीएम नीतीश और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने भरी हुंका, बोलें- फिर लौटेगी एनडीए की सरकार

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के सकरा प्रखंड में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहुंचे। इस मौके पर उनके साथ राज्य सरकार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री अशोक चौधरी और जेडीयू व बीजेपी के कई नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में बिहार को बदलने का जो वादा किया था, वह आज पूरा होता दिख रहा है। बिहार अब विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, और यह संभव हुआ है डबल इंजन की सरकार की नीतियों और निर्णयों से।

सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य की योजनाओं का लाभ आज घर-घर तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुफ्त



बिजली योजना के तहत बिहार के करोड़ों लोगों को फायदा पहुंचाया है। 125 यूनिट मुफ्त बिजली आज हर घर में उजाला फैला रही है। बड़े वर्ग को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि 2005 से पहले बिहार की हालत बेहद खराब थी, लेकिन नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य ने विकास की नई ऊँचाइयों को छुआ है। आज गांव-गांव में सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं

बढ़ रही हैं। सम्राट चौधरी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि राजद के शासन में बिहार डर और अराजकता के दौर से गुजरा था, लेकिन आज हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। जनता अब फिर से एनडीए की सरकार चाहती है और नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहती है, ताकि बिहार का विकास और तेजी से आगे बढ़े।

नालंदा में टेंट दुकान का ताला काटकर पांच लाख की चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई बदमाशों की करतूत

नालंदा (एजेंसियां)।

नालंदा जिले के नूरसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत बाजार इलाके में स्थित एक टेंट की दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने करीब 5 लाख रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

घटना साजन लाइट एंड डीजे पंडाल इलेक्ट्रिकल्स नामक दुकान में हुई है। पीड़ित दुकानदार मनोज कुमार ने बताया कि रविवार की शाम 7 बजे दुकान बंद कर वह घर चले गए थे। सोमवार की अहले सुबह जब वे दुकान पहुंचे तो देखा कि शटर उठा हुआ है



और अंदर लाइट जल रही है। अंदर जाकर देखा तो स्टेबलाइजर, एम्प्लीफायर समेत कई कीमती सामान गायब थे। बदमाशों ने कुल मिलाकर लगभग 5 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति की चोरी कर ली।

सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि रात करीब 12 बजे के आसपास बदमाश एक मारुति कार से दुकान के बाहर पहुंचते हैं। इसके बाद वे लोहे के कटर और रॉड से ताला काटकर अंदर

घुसते हैं और दुकान में रखा सामान बड़ी सहजता से गाड़ी में लादकर फरार हो जाते हैं।

मुख्य सड़क के किनारे और बीच बाजार में हुई इस बड़ी चोरी की घटना से स्थानीय व्यापारियों

और बाजारवासियों में आक्रोश व्याप्त है। लोग पुलिस की रात्रि गश्ती पर सवाल उठा रहे हैं। उनका आरोप है कि पुलिस गश्त महज औपचारिकता बनकर रह गई है।

इस संबंध में नूरसराय थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि पीड़ित दुकानदार के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। चोरों ने चेहरे पर मास्क पहन रखा था, लेकिन सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उनकी पहचान की जा रही है।

पुलिस ने दावा किया है कि जल्द ही मामले का उद्बेदन कर लिया जाएगा।

दिहाड़ी मजदूर की गोली मारकर हत्या, जांच शुरू

मुंगेर (एजेंसियां)।

मुंगेर जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या 9 कुमारपुर में रविवार की देर रात अज्ञात बदमाशों ने बमबम कुमार (30 वर्ष) की गोली मारकर हत्या कर दी। परिवार वालों ने गंभीर रूप से घायल बमबम को स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बमबम के सिर में गोली मारी गई थी।

घटना की जानकारी मिलते ही तारापुर एसडीपीओ सिंधु शेखर सिंह, एफएसएल टीम और डॉग स्कायड मौके पर पहुंचे। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से



साक्ष्य एकत्र किए, हालांकि डॉग स्कायड को कोई सफलता नहीं मिली। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करारकर परिजनों को सौंप दिया है। मृतक की मां सुमित्रा देवी ने बताया कि रात में बमबम

घर लौट रहा था तभी घर के पास ही उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमें किसी से उसकी दुश्मनी की जानकारी नहीं थी। मृतक के मामा संजय कुमार ने कहा कि बमबम दिहाड़ी मजदूर था

और परिवार के भरण-पोषण के लिए रोज मेहनत करता था। घटना के समय वह रात करीब 12 बजे घर लौट रहा था। परिजनों के अनुसार, हमलावरों की संख्या लगभग पांच थी, लेकिन अंधेरा

होने के कारण उनकी पहचान नहीं हो सकी। थानाध्यक्ष विनोद कुमार झा ने बताया कि हत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। फिलहाल केस दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। मृतक की पत्नी गीता देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। उनकी शादी वर्ष 2012 में हुई थी। गीता देवी के चार छोटे बच्चे हैं, आल-के कुमार, आर्यन कुमार, आदित्य कुमार और लाडो कुमारी। पति की मौत के बाद पूरा परिवार गहरे सदमे में है।

पटना (एजेंसियां)।

कैमूर जिले के दुर्गावती प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में सोमवार को रामगढ़ विधानसभा के भाजपा विधायक अशोक सिंह ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से मुलाकात की और बाढ़ से हुई फसल क्षति का जायजा लिया। विधायक ने आश्वासन दिया कि वे मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री से बात कर किसानों को मुआवजा दिलाने का प्रयास करेंगे।

गौरतलब है कि दुर्गावती प्रखंड

से गुजरने वाली दुर्गावती नदी ने सोमवार तक विकराल रूप धारण कर लिया था। बाढ़ के पानी से मरहियां, खामिंदौरा, सरैयांव, उदपुरा, मछनहटा, चेहरियां सहित कई गांवों के बंधारों में लगी सैकड़ों एकड़ धान की फसल पूरी तरह डूब चुकी है। विधायक अशोक सिंह ने कहा कि यह इलाका छोटे-छोटे किसानों का है। फसल लगाने के लिए इन्हें काफी संघर्ष करना पड़ता है। इस बार किसानों की मेहनत से फसल तैयार हो चुकी थी, लेकिन महज

24 घंटे की बारिश ने सारी फसल बर्बाद कर दी। अब किसानों के पास कुछ भी नहीं बचा है और वे पूरी तरह असहाय हो गए हैं।

उन्होंने कहा, इस साल 2018 में भी इसी तरह की बाढ़ आई थी, उस समय हमने विधानसभा में आवाज उठाकर सभी किसानों को पूरा मुआवजा दिलवाया था। इस बार भी फसल नुकसान को लेकर मैं मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री को पत्र लिखूंगा, ताकि किसानों को शत-प्रतिशत मुआवजा दिलाया जा सके।

